हरिभूमि
हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, रविवार 12 अप्रैल 2026

12 बच्चों को केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि अच्छे संस्कार...

12 डीएचबीवीएन ने जीती ओवरऑल चैंपियनशिप

खबर संक्षेप

10 पेटी देसी शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

हिसार। मंगाली चौकी पुलिस ने 10 पेटी शराब सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कैमरी गांव के जितेन्द्र उर्फ डॉन के रूप में हुई है। मंगाली चौकी के जांच अधिकारी एएसआई कर्मबीर के अनुसार आज़ाद नगर थाना पुलिस टीम गश्त के दौरान गांव कैमरी के बस स्टेंड पर मौजूद थी। इसी दौरान टीम को सूचना मिली कि कैमरी निवासी जितेंद्र उर्फ डॉन अपने घर से अवैध शराब बेचने का काला कारोबार कर रहा है।सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने आरोपी के घर छापा मारा। तलाशी के दौरान पुलिस ने मौके से कुल 10 पेटी, जिसमें 7 पेटी मार्का मस्ती माल्टा व 3 पेटी मार्का शहनाई बरामद की।

अवैध पिस्तोल व कारतूस सहित एक गिरफ्तार

हिसार। सीआईए मिल गेट टीम ने एक व्यक्ति अवैध पिस्तोल व 2 कारतूस समेत गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सातरोड निवासी मोहित उर्फ बच्ची को काबू किया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 32 बोर का एक अवैध पिस्तोल व 2 कारतूस बरामद हुए। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी रहा है। आरोपी के खिलाफ पहले भी वर्ष 2025 में हत्या प्रयास का एक संगीन मामला दर्ज है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस अब इस पहलू पर भी जांच कर रही है कि जमानत पर बाहर आने के बाद आरोपी दोबारा किस वारदात को अंजाम देने की फिराक में था।

उद्घोषित आरोपी दबोचा अदालत ने भेजा जेल

नारनौंद। थाना नारनौंद पुलिस ने चोरी के मामले में एक उद्घोषित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां उसे जेल भेज दिया गया है। एएसआई वीरेंद्र कुमार ने बताया कि आरोपित रामकेश निवासी नारनौंद के खिलाफ चोरी के मामले में थाना नारनौंद में मामला दर्ज किया गया था। आरोपित को पहले भी गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया था, लेकिन बाद में वह अदालत में पेशी पर गैर-हाजिर हो गया। इस पर अदालत ने दो जनवरी को आरोपित युवक को उद्घोषित आरोपी घोषित कर दिया था।

चोरी का आरोपित तीन दिन के रिमांड पर

नारनौंद। थाना बास पुलिस ने पुल के निर्माण के लिए लाया गया सामान की चोरी के मामले में एक आरोपित युवक को गिरफ्तार किया है। एसआई रमेश कुमार ने बताया कि 25 फरवरी को ठेकेदार कर्मबीर ने पुलिस को गांव भाटोल जाटान में ड्रेन के ऊपर पुल निर्माण कार्य के लिए लाए गए शटरिंग प्लेट व गार्टर चोरी होने की शिकायत दर्ज करवाई थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इस मामले में एक युवक संजय निवासी पाडना जिला करनाल को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित को अदालत में पेश कर तीन दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया गया है।

9.30 ग्राम हेरोइन के साथ एक गिरफ्तार

हिसार। अग्रोहा पुलिस ने नशीले पदार्थ अधिनियम के तहत एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी से 9.30 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। पकड़े गए आरोपी की पहचान जाखोद खेड़ा निवासी सुनील उर्फ़ टाइगर के रूप में हुई है। जांच अधिकारी एएसआई विक्रम ने बताया कि पुलिस टीम गश्त और चेकिंग के दौरान फ्रांसी गांव के बस अड्डा के पास मौजूद थी। तभी सूचना मिली कि आरोपी सुनील अपने मोटरसाइकिल पर नशीला पदार्थ बेचने की फिराक में गांव कालीरावण के पास खड़ा है। सूचना के बाद पुलिस ने तुरंत गांव कालीरावण के स्टेडियम वाले बस अड्डे पर छापेमारी की।

पुलिस ने किया रूट डायवर्ट, प्रदर्शनकारियों ने सिर्फ एंबूलेंस और परीक्षा देने जा रहे बच्चों के वाहनों को गुजरने दिया

लांधड़ी-चिकनवास टोल प्लाजा पर गरजे किसान

सुरक्षा के मद्देनजर टोल के पास भारी पुलिस बल को तैनात किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

संयुक्त किसान मोर्चा ने मंडी में फसल खरीद के नए नियमों का किया विरोध
समय पर मांगे न माने जाने पर किसानों ने दी बड़े आंदोलन की चेतावनी

हिसार। लांधड़ी-चिकनवास टोल प्लाजा के पास रोड जाम करते किसान। फोटो : हरिभूमि

फसल खरीद के नए नियमों के विरोध में संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर शनिवार को लांधड़ी-चिकनवास टोल प्लाजा के पास सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक 4 घंटे का रोड जाम किया। इसके चलते हिसार-सिरसा हाइवे पर वाहनों को बरवाला रूट पर डायवर्ट किया गया। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए टोल के पास भारी पुलिस बल को तैनात किया गया था। रोड जाम के दौरान किसान नेताओं ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए एंबुलेंस, परीक्षा देने जा रहे स्कूली बच्चों, इमरजेंसी सेवाओं और सैनिकों के वाहनों को स्वयं खड़े होकर सुरक्षित रास्ता दिया। मोर्चा के नेताओं चेतावनी दी कि गेहूं व सरसों की फ़सल की खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से शुरू नहीं की गई और ये मंडी के नए कानून वापस नहीं लिए गए, तो मंडी से लेकर सड़कों तक बड़ा आंदोलन छेड़ा जाएगा। किसान नेता सरदानंद राजली ने कहा कि यह आंदोलन केवल चेतावनी और रिहर्सल है। यदि सरकार ने अपनी नीतियों में बदलाव नहीं किया और नए मंडी कानूनों को वापस नहीं लिया, तो आने वाले समय में बड़ा और निर्णायक आंदोलन शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों की लड़ाई अब सड़क से संसद तक लड़ी जाएगी। रोड जाम में प्रमुख रूप से वरिष्ठ किसान नेता सुरजभान डाया, शमशेर नम्बरदार, ईश्वर वर्मा बाडोपट्टी, अनिल बैंदा, बलराज मलिक, राजीव मलिक, संदीप सिवाच, संदीप धीरणवास, कुलदीप पुनिया, अनिल गोरछी, सतबीर धायल, जसवीर सूरा, रोहतास राजली, मनोज सोनी, सुखबीर न्योली, कपूर बगला, तजेंद्र सिंह, दिलबाग सिंह हुड्डा, सतीश बैनीवाल, सारज भुल्लर, सुरेंद्र मान, गोपाल ओड, मुकेश दुर्जनपुर, सतबीर पुनिया, सत्यवान रेड्डू, धोला जेवरा आदि रहे।

किसानों को कागजी प्रक्रियाओं में उलझाने का आरोप

प्रदर्शन के दौरान किसानों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए गेट पास और बायोमेट्रिक प्रणाली को तुरंत बंद करने, नए खरीद नियमों को वापस लेने और पहले की तरह गेहूं खरीद व्यवस्था बहाल करने की मांग उठाई। किसान नेताओं ने कहा कि एक ओर किसान मौसम की मार झेल रहा है, वहीं दूसरी ओर सरकार उसे कागजी प्रक्रियाओं में उलझा रही है, जो सरासर अन्याय है। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए एम्बुलेंस, परीक्षा देने जा रहे छात्रों, आपातकालीन सेवाओं और सेना के वाहनों को बिना बाधा के सुरक्षित रास्ता दिया।

हांसी। प्रदर्शन के दौरान किसान नेताओं से बातचीत करते डीएसपी विनोद शंकर।

प्रदर्शन के दौरान किसानों ने दिखाई मानवीयता

प्रदर्शन के दौरान किसानों ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए एम्बुलेंस, परीक्षा देने जा रहे छात्रों, आपातकालीन सेवाओं और सेना के वाहनों को बिना बाधा के सुरक्षित रास्ता दिया।

नए कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर रामायण टोल जाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) हरियाणा के आह्वान पर शनिवार को हांसी जिला क्षेत्र स्थित रामायण टोल प्लाजा पर किसानों ने सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक 4 घंटे तक जाम लगाया। 4 घंटे तक चले रोड़ जाम में किसान-मजदूर संगठनों ने भाग लिया। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए गेट पास और बायोमेट्रिक प्रणाली को तुरंत बंद करने, नए खरीद नियमों को वापस लेने और पहले की तरह गेहूं खरीद व्यवस्था बहाल करने की मांग उठाई। किसान नेताओं ने कहा कि एक ओर किसान मौसम की मार झेल रहा है, वहीं दूसरी ओर सरकार उसे कागजी प्रक्रियाओं में उलझा रही है, जोकि किसानों के साथ अन्याय है। पुलिस ने किसानों ने रामायण टोल प्लाजा पर किए जाने वाले 4 घंटे के प्रदर्शन को देखते हुए वाहनों को रूटडायवर्ट कर निकाला।

प्रदर्शन शांतिपूर्वक संपन्न होने पर पुलिस ने ली राहत की सांस

पुलिस ने अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए डीएसपी विनोद शंकर के नेतृत्व में रामायण टोल प्लाजा पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। जबकि एसडीएम राजेश खोथ को को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया था। लेकिन 4 घंटे चले प्रदर्शन के दौरान कोई भी अप्रिय घटना सामने नहीं आई और किसान संगठनों का रोड़ जाम व प्रदर्शन शांति पूर्वक सम्पन्न हो जाने पर पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली।

समाधान न होने पर निर्णायक आंदोलन की चेतावनी

निर्णायक आंदोलन शुरू कियाकिसान नेता सुरेश कोथ व विकास सीसर ने कहा कि किसानों का आज का यह प्रदर्शन केवल चेतावनी और एक रिहर्सल है। यदि सरकार ने फसल खरीद नीतियों में बदलाव नहीं किया और नए मंडी कानूनों को वापस नहीं लिया, तो आने वाले समय में बड़ा और निर्णायक आंदोलन शुरू किया जाएगा। इस अवसर पर कांग्रेस नेता व पूर्व मंत्री अतर सिंह सैनी, किसान नेता सुरेश कोथ, विकास सीसर, रणबीर मलिक, संदीप चहल, कैलाश मलिक, धर्मपाल बडाला, राजेश पांडु, डॉ. संदीप चहल, कुलवंत मलिक, मनजीत पानू, दलबीर खरड़, बबलू सहरावत, अशोक साहू, जयबीर नहरा सहित काफी संख्या में किसान व मजदूर संगठनों के सदस्यों ने भाग लिया।

दहेज प्रताड़ना से परेशान विवाहिता फंदे पर लटकी

- एक साल के बेटे की मां थी विवाहिता, ढ़ाई साल पहले हुई थी प्रीति की शादी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

उपमंडल के गांव जमावड़ी में एक 25 वर्षीय विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान प्रीति के रूप में हुई है, जो एक साल के बच्चे की मां थी। घटना के बाद मायके पक्ष ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और मारपीट करने का आरोप लगाया है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच शव को फंदे से उतार पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया जहां मृतका के पिता ओमप्रकाश की शिकायत के आधार पर पति पर उसके पति सोनू, जेठ अनूप, ननद रीना, ननद बर्फी, ससुर रामकुमार और जेठानी सोनम के खिलाफ दहेज प्रताड़ना व आत्महत्या के लिए मजबूर करने की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रीति के पिता ओमप्रकाश ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी प्रीति की शादी 29 नवंबर 2023 को गांव जमावड़ी निवासी सोनू से की थी। लेकिन शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग प्रीति को दहेज के लिए परेशान करते थे और दहेज को लेकर उसके साथ मारपीट करते थे। 10 अप्रैल की शाम करीब 6 बजे परिवार को सूचना मिली कि प्रीति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। परिजन जब मौके पर पहुंचे तो प्रीति का शव पंखे से लटका हुआ मिला।

कार स्कूटी की टक्कर में परीक्षा देने जा रही 3 बहनें घायल, किया रेफर

- कार चालक ने तीनों घायल बहनों को पहुंचाया तुरंत नागरिक अस्पताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित गीता चौक के समीप शनिवार सुबह हुए एक सड़क हादसे में 12वीं कक्षा की प्रैक्टिकल परीक्षा देने हिसार जा रही तीन सगी बहनें घायल हो गईं। हादसे के बाद कार चालक ने तीनों बहनों को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों द्वारा उनका उपचार किया गया तथा एक छात्रा की गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद हिसार रेफर कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने नागरिक अस्पताल पहुंच घायलों के बयान दर्ज कर मामले की जांच आरंभ कर दी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार हांसी निवासी नंदिनी, सेजल और दिव्या शनिवार सुबह करीब 9:30 बजे स्कूटी पर सवार होकर अपनी 12वीं की प्रैक्टिकल परीक्षा देने के लिए स्कूटी पर सवार होकर घर से निकली थीं। जैसे ही उनकी स्कूटी गीता चौक के पास पहुंची तो पीछे से आ रही एक कार ने उनकी स्कूटी को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों बहनें स्कूटी से उछल कर सड़क पर जा गिरी और घायल हो गईं। हादसे के बाद कार चालक ने तीनों घायल बहनों को तुरंत नागरिक अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया।

हांसी। घायल छात्रा को प्राथमिक उपचार के बाद निजी अस्पताल ले जाते परिजन।

बॉक्सर स्वीटी बूरा और कबड्डी टीम के पूर्व कप्तान दीपक हुड्डा के बीच तलाक

- दोनों ने जिला अदालत में मौजूद रहकर आपसी सहमति से लिया तलाक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

इंटरनेशनल बॉक्सर स्वीटी बूरा एवं उनके पति इंडियन कबड्डी टीम के पूर्व कैप्टन दीपक हुड्डा के बीच तलाक हो गया है। यहां की अदालत में दोनों ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला लिया। स्वीटी बूरा के वकील सुनील तिवारी ने शनिवार को बताया कि तलाक पर फैसले के समय दोनों कोर्ट में ही मौजूद थे। स्वीटी ने कोर्ट में कहा कि अब उनका दीपक हुड्डा के साथ रहना संभव नहीं है, वहीं, दीपक ने मामले में कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हालांकि, तलाक से पहले स्वीटी ने भरण-पोषण के लिए 50 लाख रुपए गुजारा भत्ता और 1.50 लाख रुपये मासिक खर्च की मांग भी रखी थी। मगर, दोनों के बीच बिना किसी कंपनसेशन के आपसी सहमति से यह तलाक हुआ। दोनों की शादी वर्ष 2022 में हुई थी, लेकिन फरवरी 2025 में रिश्तों में खटास आ गई। दोनों के बीच गंभीर आरोप-प्रत्यारोप लगे थे। स्वीटी बूरा ने दीपक हुड्डा पर दहेज प्रताड़ना, मारपीट, पासपोर्ट छीनने और मानसिक उत्पीड़न जैसे आरोप लगाए थे। उन्होंने जान से मारने की कोशिश तक का आरोप लगाया था। विवाद इतना बढ़ गया था कि दोनों के बीच महिला थाने में हाथापाई भी हो गई थी।

अंडरपास के आश्वासन पर धरना समाप्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उकलाना

उकलाना। धरना समाप्त के दौरान भाजपा नेता श्रीनिवास गोयल व पूर्व मंत्री अनूप धानक।

अंडरपास निर्माण की मांग को लेकर धरना समिति द्वारा पिछले 86 दिनों से शांतिपूर्ण चल रहा धरना सरकार से मिले आश्वासन के बाद शनिवार को समाप्त हो गया। धरना समिति द्वारा आपसी सहमति से धरना प्रदर्शन समाप्त करने की घोषणा की गई। इस मौके पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया गया, क्योंकि उन्होंने दो दिन पूर्व धरना कमेटी के सदस्यों से मुलाकात की थी। यह मुलाकात पूर्व अध्यक्ष श्रीनिवास गोयल एवं पूर्व मंत्री अनूप धानक के नेतृत्व में हुई थी, जिसमें जनता की भावनाओं को समझते हुए अंडरपास निर्माण की मांग को पूरा करने का आश्वासन दिया गया।श्रीनिवास गोयल ने कहा कि मुख्यमंत्री ने स्पष्ट आश्वासन दिया है और सकारात्मक बैठक में निर्णय हुआ है कि अंडरपास का निर्माण होगा तथा क्षेत्र के लोगों की मांग को पूरा किया जाएगा। पूर्व मंत्री अनूप धानक ने कहा कि मुख्यमंत्री ने फाइल की स्वीकृति के लिए प्रधान सचिव से बातचीत कर संबंधित विभाग के अधिकारियों को कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

सरकार की योजनाएं हर वर्ग के लिए कल्याणकारी : डॉ. गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

भाजपा वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कहा है कि केन्द्र व प्रदेश की भाजपा सरकार ने हर वर्ग के कल्याण की योजनाएं बनाकर जनता के हित में काम किया है। भाजपा का एकमात्र ध्येय राजनीति के माध्यम से जन सेवा करना व अंत्योदय का सिद्धांत है। डॉ. कमल गुप्ता गांव चलो बस्ती चलो अभियान के तहत हिसार विधानसभा के अर्बन मंडल स्थित ऋषि विश्वामित्र शक्ति केन्द्र व ऋषि विश्वास शक्ति केन्द्र पर पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। अभियान के तहत अर्बन मंडल के ऋषि विश्वामित्र शक्ति केन्द्र में कार्यक्रमों की अध्यक्षता अर्बन मंडल महामंत्री सुनील सैनी ने की। ऋषि विश्वामित्र शक्ति केन्द्र में कार्यक्रम के संयोजक सुशील बुड़ाकिया, प्रवक्ता एवं गांव चलो बस्ती चलो अभियान के जिला संयोजक पीयूश मेहता उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि विरोधी दलों के पास आज कोई मुद्दा नहीं है। विरोधियों में ये हताशा है कि उनके पास कोई मुद्दा नहीं है और वे केवल आलोचना के लिए ही आलोचना करने के आदी है। उन्होंने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे केन्द्र व प्रदेश सरकार की जन कल्याण की योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार करें और भाजपा की मजबूती के लिए काम करें। इसी तरह संत विश्वास शक्ति केंद्र पर गए कार्यक्रम के संयोजक कैप्टन नरेंद्र शर्मा व सह संयोजक राजकुमार आहुजा रहे। इसमें रविंदर सोनी, प्रवक्ता एवं अभियान के जिला संयोजक पीयूष मेहता, आईटी सह प्रमुख मोहित सिंह की ओर से मॉडल टाउन एक्सटेंशन में कार्यक्रम किया गया।

हिसार। पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से बातचीत करते डॉ. कमल गुप्ता।

उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन 21 को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

राज्य व केंद्र सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों के विरोध में 21 अप्रैल को जिला उपायुक्त कार्यालय पर जिले के कर्मचारियों व रिटायर्ड कर्मचारियों द्वारा रोष प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। प्रदेश के कर्मचारियों में सरकार की नीतियों के विरुद्ध तीव्र रोष है। इस सम्बंध में हुई बैठक की अध्यक्षता रिटायर्ड कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष मनोहर लाल जाखड़ ने की। संचालन जिला सचिव नरेश कुमार गौतम ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए राज्य उपप्रधान ओमप्रकाश सैनी व निर्मला देवी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार पूर्व में प्राप्त उनके अधिकारों को एक-एक करके समाप्त कर रही है। इसके विरोध में अखिल भारतीय राज्य सरकार पेंशनर्ज फैडरेशन के आह्वान पर 21 अप्रैल को पूरे देश में रोष प्रदर्शन किया जाएगा।

जिला सचिव नरेश कुमार गौतम ने बताया कि 13 अप्रैल को प्रातः 11 बजे सर्व कर्मचारी संघ के आह्वान पर पारिजात चौक पर बनाई जाने वाली मानव श्रृंखला में बढ़ चढक़र भाग लेंगे। बैठक को जगदीश चंद्र बिश्नोई, मा. जयबीर सिंह, सूरजप्रकाश भाटिया, श्योचन्द राम घोड़ेला, नानक चंद रानोलिया, जयसिंह, ओमप्रकाश झाझडिय़ा, बलवंत सिंह, प्रदीप कुमार जांगड़ा, महाबीर सिंह आदि रहे।

दो घंटे चली बैठक में पीड़ित परिवार व 21 सदस्यीय कमेटी ने लिया भाग

खेद प्रकट करने के बाद निपटा सालासर मंदिर का विवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

सालासर धाम में 5 अप्रैल को हुए घटनाक्रम के बाद हिसार के पीड़ित व्यापारी संजय अरोड़ा व उनके परिवार के सदस्यों के साथ हुई बदसलूकी के बाद उन्हें न्याय दिलाने के लिए गठित की गई 21 सदस्यीय कमेटी द्वारा शांतिपूर्वक आंदोलन करने की घोषणा के बाद आज सालासर धाम से हिसार आए मंदिर संचालकों के साथ हुई बातचीत में खेद प्रकट करने के बाद तथा अन्य सभी मांगों पर भी सहमति बन गई। कमेटी के सदस्य राजेन्द्र चुटानी ने बताया कि शनिवार दोपहर एक बजे पड़ाव चौक स्थित शिवालय मंदिर में शुरु हुई इस वार्ता में सालासर धाम से आए मुख्य पुजारियों मांगेराम, अयोध्या नंद, विनय कुमार, श्रीकांत शर्मा व उनके परिवार के लगभग 15 सदस्य, हिसार के पीड़ित संजय अरोड़ा व उनके परिवार के सभी सदस्यों के अलावा 21 सदस्यीय कमेटी के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में सालासर धाम से आए पुजारियों की ओर से स्पष्ट किया गया कि घटनाक्रम के समय वे मंदिर परिसर में नहीं थे। जो भी उस वक्त हुआ, उसका उन्हें खेद है। वे अरोड़ा परिवार से सहानुभूति प्रकट करते हैं।

हिसार। सालासर प्रकरण निपटने के बाद जानकारी देते हुए राजेंद्र चुटानी, बजरंग गर्ग व अन्य।

छवि को धूमिल करने का आरोप

बैठक के बाद पीड़ित संजय अरोड़ा ने कहा कि भजन गायक कन्हैया मित्तल ने सोशल मीडिया पर उनकी एक वीडियो डालकर उनकी छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया है। इसके खिलाफ वे कन्हैया मित्तल के खिलाफ कानूनी लड़ाई लडेंगे और जल्द ही उन्हें मान हानि का कानूनी नोटिस भेजेंगे। संजय अरोड़ा के इस निर्णय पर 21 सदस्यीय कमेटी ने भी उनका पूरा सहयोग करने का विश्वास दिलाया।

भविष्य में इस तरह की कोई घटना न हो, इसके लिए व्यापक स्तर पर प्रबंध किए जाएंगे। बैठक में कमेटी की ओर से बजरंग दास गर्ग, गौतम सरदाना, राजेन्द्र, टीनू आहुजा, सुरेन्द्र बजाज, रवि मेहता, महेश चौधरी, अक्षय मलिक, गुड्डू भाई लहंगे वाला, गौरव सैनी, रमेश वत्स, पवन गिरधर, अमरजीत खालसा, एडवोकेट संदीप गुर्जर, शिव कुमार सैनी व मांगेराम आदि उपस्थित रहे। बैठक में पुजारियों द्वारा पूरे घटनाक्रम पर खेद प्रकट करने के बाद पीड़ित संजय अरोड़ा व उनके परिवार ने अपनी संतुष्टि प्रकट कर दी। इस पर 21 सदस्यीय कमेटी ने भी बैठक में हुई चर्चा के बाद अपनी सहमति प्रकट कर दी।

लार्ज कैप में बने निवेश के मौके

तीन से पांच साल में दे सकता है अच्छी ग्रोथ

18 महीने की कमजोरी के बाद बन रहा बढ़िया संतुलन

गिरते बाजार में लार्ज कैप बन सकता है भरोसे का सहारा

शॉर्ट टर्म दबाव के बावजूद लॉन्ग टर्म तस्वीर मजबूत

बिजनेस डेस्क

वैश्विक अनिश्चितताओं और मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच शेयर बाजार में हालिया गिरावट ने निवेशकों को असमंजस में डाल दिया है। खासकर मिड और स्मॉल कैप शेयरों में तेज गिरावट के कारण जोखिम की धारणा बढ़ी है। हालांकि, इसी दौर में लार्ज कैप शेयर निवेश के लिए मजबूत विकल्प बनकर उभरे हैं। करीब 18 महीनों की गिरावट के बाद इनका वैल्यूएशन अब आकर्षक स्तर पर आ चुका है, जिससे लंबी अवधि के निवेशकों के लिए एंट्री का अच्छा मौका बनता दिख रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि शॉर्ट टर्म में भले ही बाजार पर दबाव बना रहे, लेकिन भारत के मजबूत मैक्रो फंडामेंटल्स और कंपनियों की संभावित अर्निंग ग्रोथ आने वाले वर्षों में बेहतर रिटर्न का आधार बन सकती है। ऐसे में 3 से 5 साल का नजरिया रखने वाले निवेशकों के लिए यह समय वेल्थ क्रिएशन का अवसर साबित हो सकता है। पिछले डेढ़ साल में बाजार में आई गिरावट का असर सबसे ज्यादा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों पर देखने को मिला। हालांकि, लार्ज कैप कंपनियों ने अपेक्षाकृत स्थिरता दिखाई। इस दौरान लगातार दबाव के चलते अब इन कंपनियों के वैल्यूएशन काफी संतुलित और निवेश के लिहाज से आकर्षक हो गए हैं।

- मिड और स्मॉल कैप में गिरावट, लार्ज कैप ने दिखाई

तेल की कीमत और जियो-पॉलिटिकल टेंशन का असर

- रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल बाजार पर दबाव बना रह सकता है। मिडिल ईस्ट में तनाव, होर्मुज स्ट्रेट के आसपास क्रूड सप्लाई की चिंता और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं बाजार की दिशा तय कर रही हैं।
- इन कारणों से शॉर्ट टर्म में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। लेकिन यह दबाव स्थायी नहीं है। जैसे-जैसे परिस्थितियां सामान्य होंगी, बाजार में स्थिरता लौटने की उम्मीद है।

कंपनियों की कमाई तय करेगी भविष्य

विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में बाजार की दिशा केवल वैल्यूएशन पर निर्भर नहीं रहेगी, बल्कि कंपनियों की वास्तविक कमाई अहम भूमिका निभाएगी। लार्ज कैप कंपनियां, जो पहले से ही मजबूत बिजनेस मॉडल और स्थिर कैश फ्लो रखती हैं, इस मामले में बेहतर स्थिति में हैं। ऐसे में इन कंपनियों में निवेश करने से दीर्घकाल में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना है।

गोल्ड, क्रिप्टो और इक्विटी हर जगह अस्थिरता

हाल के महीनों में सिर्फ शेयर बाजार ही नहीं, बल्कि गोल्ड और क्रिप्टो जैसी एसेट क्लास में भी भारी उतार-चढ़ाव देखा गया है। यह दर्शाता है कि वैश्विक निवेश माहौल फिलहाल अस्थिर है। इस तरह के समय में निवेशकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि वे भावनात्मक फैसलों से बचें और लंबी अवधि की रणनीति पर टिके रहें।

वैश्विक दबाव के बावजूद अर्थव्यवस्था स्थिर

विदेशी निवेशकों की बिकवाली और बाजार में गिरावट के बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है। ये सभी संकेत बताते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक दबावों को झेलने में सक्षम है। तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर भी सीमित रहने की उम्मीद है।

इतिहास भी देता है यही संकेत

- अगर इतिहास पर नजर डालें, तो हर बड़े संकट के बाद बाजार ने मजबूती से वापसी की है।
- 1991 के आर्थिक सुधार
- ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस (2008)
- कोविड-19 महामारी
- इन सभी घटनाओं के बाद भारत ने न सिर्फ रिकवरी की, बल्कि पहले से ज्यादा मजबूत होकर उभरा। यही कारण है कि विशेषज्ञ मौजूदा समय को भी एक अवसर के रूप में देख रहे हैं।

3 से 5 साल में वेल्थ क्रिएशन की संभावना

- धैर्य रखने वाले निवेशकों को मिल सकता है फायदा
- -लंबी अवधि के निवेशकों के लिए मौजूदा दौर जोखिम से ज्यादा अवसर का संकेत देता है। खासकर लार्ज कैप -शेयरों में, जहां वैल्यूएशन अब संतुलित हो चुके हैं।
- यदि निवेशक 3 से 5 साल का नजरिया रखते हैं, तो इस स्तर पर किया गया निवेश अच्छी वेल्थ क्रिएशन का आधार बन सकता है।

निवेशकों के लिए क्या है रणनीति?

- समझदारी और अनुशासन है जरूरी
- लॉन्ग टर्म दृष्टिकोण अपनाएं– शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव से घबराएं नहीं
- लार्ज कैप पर फोकस करें– स्थिरता और सुरक्षा के लिए
- एसआईपी के जरिए निवेश करें– बाजार टाइमिंग से बचने के लिए
- डाइवर्सिफिकेशन बनाए रखें– जोखिम कम करने के लिए

असमंजस में निवेशक

- मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं और बाजार की गिरावट ने निवेशकों को जरूर असमंजस में डाला है, लेकिन यही समय नए अवसर भी लेकर आया है। लार्ज कैप शेयरों में 18 महीनों की गिरावट के बाद वैल्यूएशन अब आकर्षक स्तर पर हैं, जो लंबी अवधि के निवेशकों के लिए एक मजबूत एंट्री पॉइंट बन सकता है।
- आने वाले 3–5 साल में, यदि आर्थिक परिस्थितियां सामान्य होती हैं और कंपनियों की कमाई में सुधार होता है, तो यह निवेश अच्छी वेल्थ में बदल सकता है। इसलिए, डर के बजाय समझदारी और धैर्य के साथ निवेश करना इस समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

महीने के आखिर में खाली जेब से हैं परेशान तो बदल लें कुछ आदतें

सुझाव

बिजनेस डेस्क

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में पैसे कमाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है उसे सही तरीके से संभालना। अक्सर देखा जाता है कि अच्छी कमाई करने वाले लोग भी महीने के अंत में पैसों की कमी महसूस करते हैं। इसका मुख्य कारण है बिना योजना के खर्च करना। छोटी-छोटी अनावश्यक चीजों पर खर्च धीरे-धीरे इतना बढ़ जाता है कि महीने के आखिर में समझ नहीं आता कि पैसा आखिर गया कहां। अगर आप भी इस स्थिति से गुजर रहे हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान और व्यावहारिक आदतों को अपनाकर आप अपनी फाइनेंशियल लाइफ को बेहतर बना सकते हैं और आर्थिक तनाव से राहत पा सकते हैं।

जरूरत व इच्छा में फर्क समझें

फाइनेंशियल मैनेजमेंट की सबसे पहली और महत्वपूर्ण सीढ़ी है जरूरत और इच्छा के बीच अंतर समझना। जरूरतें वे होती हैं जो जीवन के लिए जरूरी हैं, जैसे किराया, राशन, बिजली-पानी के बिल, बच्चों की फीस और रोजमर्रा के खर्च। वहीं, इच्छाएं वे हैं जो जीवन को आरामदायक बनाती हैं जैसे बाहर खाना, ऑनलाइन शॉपिंग या नए गैजेट्स खरीदना। यदि आप हर खर्च से पहले खुद से यह पूछना शुरू कर दें कि "क्या यह जरूरी है या सिर्फ इच्छा?", तो आपकी आधी समस्या वहीं खत्म हो जाएगी। यह आदत आपको फालतू खर्च से बचाएगी और बचत बढ़ाने में मदद करेगी।

खर्च लिखने की आदत डालें

अक्सर हम यह समझ ही नहीं पाते कि हमारा पैसा कहां खर्च हो रहा है। ऐसे में रोजाना के खर्च को लिखने की आदत बेहद फायदेमंद होती है। आप एक नोटबुक या मोबाइल ऐप का इस्तेमाल कर सकते हैं। जब आप हर खर्च को रिकॉर्ड करते हैं, तो आपको साफ दिखाई देने लगता है कि किन चीजों पर ज्यादा पैसा जा रहा है।

- जैसे बार-बार बाहर खाना, ऑनलाइन ऑर्डर या बिना सोचे-समझे खरीदारी। यह आदत धीरे-धीरे आपको अनुशासित बनाती है और अनावश्यक खर्च अपने आप कम होने लगते हैं।

हर रुपये का एक उद्देश्य तय करें

- जब आपको अपनी आय और खर्च का सही अंदाजा हो जाए, तो अगला कदम है। हर रुपये को एक उद्देश्य देना।
- आप अपनी आय को तीन हिस्सों में बांट सकते हैं।
- जरूरी खर्च
- लाइफस्टाइल (इच्छाएं)
- बचत
- जब हर रुपये का काम पहले से तय होता है, तो पैसा इधर-उधर बिखरता नहीं है।

इससे आप अपने खर्च को बेहतर तरीके से नियंत्रित कर पाते हैं और भविष्य की योजना बनाना आसान हो जाता है।

बचत को सबसे जरूरी खर्च मानें

- ज्यादातर लोग बचत को सबसे आखिरी में रखते हैं। जो बचेगा, उसे बचा लेंगे। यही सबसे बड़ी गलती है।
- सही तरीका यह है कि जैसे ही आपकी सैलरी आए, सबसे पहले एक तय राशि बचत के लिए अलग कर दें।
- भले ही शुरुआत छोटी हो, लेकिन नियमितता बहुत जरूरी है। हर महीने की यह छोटी बचत धीरे-धीरे एक बड़े फंड में बदल जाती है। यही फंड भविष्य में किसी इमरजेंसी में आपकी सबसे बड़ी ताकत बनता है। बचत करने से न सिर्फ आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होती है, बल्कि आपको मानसिक शांति और आत्मविश्वास भी मिलता है।

समय-समय पर खर्च की समीक्षा करें

- फाइनेंशियल प्लानिंग कोई एक बार का काम नहीं है, बल्कि यह एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है।
- हर 2–3 महीने में अपने खर्चों की समीक्षा जरूर करें। देखें कि कहां ज्यादा खर्च हो रहा है, किन चीजों को कम किया जा सकता है और बचत बढ़ाने के क्या मौके हैं। बड़े बदलाव करने की बजाय छोटे-छोटे सुधार करें, जैसे बाहर खाने की आदत कम करना या अनावश्यक सब्सक्रिप्शन बंद करना। ये छोटे बदलाव लंबे समय में बड़ा असर डालते हैं।

समझदारी से खर्च, बेहतर भविष्य

पैसों को संभालना कोई मुश्किल काम नहीं है। इसके लिए सिर्फ जागरूकता और अनुशासन की जरूरत होती है। जब आप अपनी जरूरतों को समझते हैं, इच्छाओं को नियंत्रित करते हैं और हर रुपये का सही इस्तेमाल करते हैं, तो धीरे-धीरे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होने लगती है। महीने के अंत में खाली जेब की चिंता तभी खत्म होती है, जब आप अपने पैसों पर नियंत्रण पा लेते हैं। याद रखें पैसा कमाना महत्वपूर्ण है, लेकिन उसे सही तरीके से संभालना ही असली समझदारी है। यही छोटी-छोटी आदतें आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाकर जीवन में सुकून दिला सकती हैं।

सैलरी पर भरोसा काफी नहीं, मुश्किल समय में बैकअप ही असली सुरक्षा

- एसआईपी और आरडी से आसान है इमरजेंसी फंड तैयार करना
- निवेश नहीं, इसका जरूरत के समय काम आना है मुख्य मकसद
- लिक्विड फंड ही दे सकता है सही समय पर बड़ी राहत

बचत मंत्र

बिजनेस डेस्क

आज के समय में नियमित सैलरी को लोग आर्थिक स्थिरता का प्रतीक मानते हैं, लेकिन हकीकत इससे काफी अलग है। बाहर से सुरक्षित दिखने वाली नौकरीपेशा जिंदगी अंदर से कई बार बेहद कमजोर होती है। एक छोटी सी समस्या जैसे नौकरी छूटना, मेडिकल इमरजेंसी या सैलरी में देरी पूरे वित्तीय संतुलन को बिगाड़ सकती है। यही वजह है कि वित्तीय विशेषज्ञ लगातार इमरजेंसी फंड बनाने पर जोर दे रहे हैं। जानकारों का कहना है कि बिना इमरजेंसी फंड के सैलरी पर निर्भर रहना वैसा ही है जैसे बिना स्टेपनी (स्पेयर टायर) के गाड़ी चलाना। जब तक सब कुछ ठीक चलता है, तब तक कोई समस्या नहीं दिखती, लेकिन जैसे ही रास्ते में दिक्कत आती है, पूरा सफर रुक जाता है।

इमरजेंसी फंड क्यों जरूरी

इमरजेंसी फंड एक ऐसा वित्तीय सुरक्षा कवच है, जो अचानक आने वाली परिस्थितियों में आपको कर्ज लेने से बचाता है। नौकरीपेशा लोगों के लिए यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि उनकी आय का मुख्य स्रोत एक ही होता है मासिक सैलरी। हर व्यक्ति के पास कम से कम 6 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड होना चाहिए। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी परिवार का मासिक खर्च 40,000 रुपये है, तो उसे कम से कम 2.4 लाख रुपये का फंड तैयार रखना चाहिए। यह राशि किसी ऐसे माध्यम में होनी चाहिए, जहां से जरूरत पड़ने पर तुरंत पैसा निकाला जा सके जैसे सेविंग अकाउंट या फिक्स्ड डिपॉजिट।

कर्ज के जाल में फंसने का खतरा

इमरजेंसी फंड न होने का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि मुश्किल समय में लोगों को कर्ज का सहारा लेना पड़ता है। आंकड़ों के अनुसार, करीब 70% नौकरीपेशा भारतीयों के पास कोई लिक्विड बैकअप नहीं होता। ऐसे में जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ती है, तो लोग क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन का सहारा लेते हैं। यह कर्ज सस्ता नहीं होता। कई बार क्रेडिट कार्ड पर ब्याज दर 30% से 36% तक पहुंच जाती है। इसका असर यह होता है कि एक छोटी सी समस्या धीरे-धीरे बड़े कर्ज में बदल जाती है। नई नौकरी मिलने तक कर्ज बढ़ता जाता है और उसे चुकाने में कई साल लग जाते हैं।

धीरे-धीरे बनाएं इमरजेंसी फंड

अक्सर लोग सोचते हैं कि इमरजेंसी फंड बनाने के लिए एक साथ बड़ी रकम चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं है। धीरे-धीरे तैयार किया जा सकता है।

कुछ आसान तरीके

- हर महीने 5,000 रुपये की एसआईपी या रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी) शुरू करें
- बचत को ऑटोमेट करें, ताकि नियमितता बनी रहे
- बोनस या अतिरिक्त आय का कुछ हिस्सा इसमें जोड़ें
- अनावश्यक खर्चों को कम करके बचत बढ़ाएं
- समय के साथ यह छोटी-छोटी बचत एक मजबूत फंड में बदल जाती है, जो किसी भी संकट में आपकी मदद कर सकता है।

निवेश नहीं, सुरक्षा है प्राथमिक उद्देश्य

इमरजेंसी फंड को निवेश के रूप में नहीं देखना चाहिए। इसका उद्देश्य ज्यादा रिटर्न कमाना नहीं, बल्कि जरूरत पड़ने पर तुरंत उपलब्ध होना है। इसलिए इसे ऐसे विकल्पों में रखना बेहतर होता है जहां लिक्विडिटी बनी रहे और पैसा तुरंत निकाला जा सके। कई लोग ज्यादा रिटर्न के चक्कर में इसे शेयर बाजार या लंबी अवधि के निवेश में डाल देते हैं, जो गलत रणनीति हो सकती है। इमरजेंसी में समय सबसे अहम होता है, और ऐसे में देरी या नुकसान दोनों ही परेशानी बढ़ा सकते हैं।

गोल्ड ईटीएफ में निवेश 57% घटा सिल्वर से भी लगातार निकासी

अलर्ट

बिजनेस डेस्क

मार्च 2026 में कमोडिटी आधारित निवेश विकल्पों में सुस्ती देखने को मिली है। गोल्ड ईटीएफ में जहां निवेश 57% घटकर 2,265 करोड़ रुपये रह गया, वहीं सिल्वर ईटीएफ से लगातार दूसरे महीने भी निकासी दर्ज की गई। यह ट्रेंड बताता है कि निवेशक फिलहाल सतर्क रुख अपना रहे हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा गिरावट के बावजूद लंबी अवधि में सोना अब भी एक मजबूत निवेश विकल्प बना हुआ है, जबकि सिल्वर में समझदारी से और चरणबद्ध निवेश की जरूरत है।

गोल्ड ईटीएफ में इनफ्लो घटा, दिलचस्पी बरकरार

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी के 5,254 करोड़ के मुकाबले मार्च में गोल्ड ईटीएफ में निवेश घटकर 2,265 करोड़ रुपये रह गया। यह 57% की बड़ी गिरावट है। हालांकि, यह ध्यान देने वाली बात है कि इनफ्लो पूरी तरह रुका नहीं है, बल्कि इसकी गति धीमी हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार, साल की शुरुआत में तेज निवेश के बाद अब बाजार सामान्य स्थिति में लौट रहा है, जिससे नए निवेश में थोड़ी कमी आई है।

कमोडिटी ईटीएफ में कमजोरी के बीच निवेशकों के लिए क्या है सही रणनीति

सिल्वर ईटीएफ से लगातार दूसरे महीने निकासी

सिल्वर ईटीएफ में निवेशकों का भरोसा फिलहाल कमजोर होता दिख रहा है। मार्च में 683 करोड़ रुपये का आउटफ्लो हुआ, जबकि फरवरी में 826 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की गई थी। यह लगातार दूसरा महीना है जब निवेशकों ने सिल्वर से पैसा निकाला है। इसका मुख्य कारण सिल्वर की अधिक अस्थिरता और हालिया गिरावट मानी जा रही है।
कमोडिटी ईटीएफ का प्रदर्शन रहा कमजोर मार्च महीने में कमोडिटी ईटीएफ का प्रदर्शन व्यापक रूप से कमजोर रहा। कुल 43 कमोडिटी ईटीएफ में से सभी ने नेगेटिव रिटर्न दिया।

सिल्वर ईटीएफ में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली

- यूटीआई सिल्वर ईटीएफ: करीब 14.72% की गिरावट
- डीएसपी सिल्वर ईटीएफ: 13.96% की गिरावट
- आदित्य बिड़ला एसएल सिल्वर ईटीएफ: 13.85% की गिरावट
- जेरोधा सिल्वर ईटीएफ: 13.81% की गिरावट
- एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ: 13.81% की गिरावट
- अन्य सिल्वर ईटीएफ में भी 11% से 13.80% तक की गिरावट दर्ज की गई।

गोल्ड ईटीएफ भी दबाव में

गोल्ड ईटीएफ भी इस गिरावट से अछूते नहीं रहे। मार्च में 25 गोल्ड ईटीएफ में 7.17% से 9.54% तक का नेगेटिव रिटर्न दर्ज किया गया। यह दर्शाता है कि सोना, जिसे आमतौर पर सुरक्षित निवेश माना जाता है, वह भी मौजूदा बाजार परिस्थितियों में दबाव में रहा। लंबी अवधि में सोना अभी भी मजबूत विशेषज्ञों का मानना है कि भले ही शॉर्ट टर्म में सोने में उतार-चढ़ाव बना रहे, लेकिन मिड और लॉन्ग टर्म में इसकी संभावनाएं अभी भी सकारात्मक हैं।

इसके पीछे प्रमुख कारण

- वैश्विक अनिश्चितता
- महंगाई का दबाव
- सुरक्षित निवेश की मांग
- ऐसे में निवेशक गिरावट के समय धीरे-धीरे निवेश (बाई ऑन डिप्स) की रणनीति अपना सकते हैं।

सिल्वर में निवेशः सतर्कता और रणनीति जरूरी

सिल्वर की प्रकृति सोने की तुलना में ज्यादा अस्थिर होती है। यही कारण है कि इसमें अचानक तेजी और गिरावट दोनों देखने को मिलती है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि सिल्वर में एकमुश्त निवेश करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करना बेहतर है।

शॉर्ट टर्म में क्या रह सकता है ट्रेंड?

- रिपोर्ट्स के अनुसार, शॉर्ट टर्म में सोने की कीमतें एक सीमित दायरे में रह सकती हैं। इसके पीछे कारण हैं:
- अमेरिका में ब्याज दरों में स्थिरता
- मजबूत डॉलर
- ऊंची बॉन्ड यील्ड
- इन वजहों से सोने की कीमतों में करीब 5% तक का उतार-चढ़ाव संभव है।

निवेशकों के लिए क्या है सही रणनीति?

- गोल्ड में गिरावट पर धीरे-धीरे निवेश करें
- सिल्वर में एकमुश्त निवेश से बचें
- एसआईपी या स्टैगर्ड तरीका अपनाएं
- पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखें
- शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव से घबराएं नहीं, लॉन्ग टर्म पर फोकस रखें

फिलहाल दबाव बना

मार्च 2026 के आंकड़े बताते हैं कि कमोडिटी ईटीएफ, खासकर गोल्ड और सिल्वर में फिलहाल दबाव बना हुआ है। हालांकि, यह गिरावट स्थायी नहीं मानी जा रही। सोना अभी भी लंबी अवधि के लिए एक भरोसेमंद निवेश विकल्प बना हुआ है, जबकि सिल्वर में सावधानी और सही रणनीति के साथ निवेश करना जरूरी है। निवेशकों के लिए यह समय घबराने का नहीं, बल्कि समझदारी से कदम उठाने का है। सही रणनीति और धैर्य के साथ किया गया निवेश भविष्य में बेहतर रिटर्न दे सकता है।

फ्लेक्सी कैप फंड्स बने निवेशकों की पहली पसंद, पैसिव फंड्स में भी तेजी

मार्च में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश 56% बढ़कर 40,450 करोड़

- फ्लेक्सी कैप फंड्स में सबसे ज्यादा 10,054 करोड़ का इनफ्लो
- पैसिव फंड्स में भी दिखाई दी 122 प्रतिशत तक की उछाल

बिजनेस डेस्क

मार्च 2026 में म्यूचुअल फंड निवेश के रुझानों में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश 56% की तेज बढ़त के साथ 40,450 करोड़ तक पहुंच गया, जो निवेशकों के मजबूत होते भरोसे का संकेत है। खासकर फ्लेक्सी कैप फंड्स निवेशकों की पहली पसंद बनकर उभरे, जबकि मिड कैप और स्मॉल कैप फंड्स में भी अच्छा इनफ्लो देखा गया। इसके विपरीत, डेट और हाइब्रिड फंड्स से बड़ी मात्रा में निकासी हुई, जो बाजार में बदलती रणनीति को दर्शाती है। वहीं, कम लागत और पारदर्शिता के चलते इंडेक्स फंड्स और ईटीएफ जैसे पैसिव फंड्स में निवेश में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया। यह ट्रेंड साफ संकेत देता है कि निवेशक अब अधिक जागरूक होकर लॉन्ग टर्म ग्रोथ और बेहतर रिटर्न के लिए अपने पोर्टफोलियो में बदलाव कर रहे हैं, जिससे आने वाले समय में निवेश के पैटर्न और भी स्पष्ट हो सकते हैं।

इक्विटी फंड्स में 56% की छलांग

मार्च महीने में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में कुल 40,450 करोड़ रुपये का इनफ्लो दर्ज किया गया, जो फरवरी के 25,977 करोड़ रुपये के मुकाबले 56% अधिक है। सालाना आधार पर भी इसमें 61% की बढ़त देखने को मिली, जो निवेशकों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। इस उछाल के पीछे कई कारण माने जा रहे हैं जैसे बाजार में स्थिरता, लंबी अवधि के निवेश का बढ़ता ट्रेंड और एसआईपी के जरिए नियमित निवेश।

फ्लेक्सी कैप फंड्स ने मारी बाजी

इक्विटी फंड्स की 11 सब-कैटेगरी में से फ्लेक्सी कैप फंड्स सबसे आगे रहे। मार्च में इनमें 10,054 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह लगातार दूसरा महीना है जब इस कैटेगरी में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का इनफ्लो दर्ज हुआ है। फ्लेक्सीकैप फंड्स की खासियत यह है कि ये बाजार की स्थिति के अनुसार लार्ज, मिड और स्मॉल कैप शेयरों में लचीलापन रखते हैं, जिससे जोखिम और रिटर्न का बेहतर संतुलन मिलता है।

मिडकैप-स्मॉलकैप फंड्स में भी दम

- स्मॉलकैप फंड्स : 6,263 करोड़ रुपये का इनफ्लो
- मिडकैप फंड्स : 6,063 करोड़ का इनफ्लो रुपये
- इन दोनों कैटेगरी में भी निवेशकों की दिलचस्पी बनी रही। खासकर स्मॉलकैप फंड्स में 61% और मिडकैप में 51% की मासिक बढ़त दर्ज की गई, जो हाई-रिस्क, हाई-रिटर्न रणनीति की ओर इशारा करती है।

वैल्यू और फोकस्ड फंड्स में तेज ग्रोथ

- मंथली आधार पर
- वैल्यू/कॉन्ट्रा फंड्स: 196% वृद्धि
- फोकस्ड फंड्स: 169% वृद्धि
- हालांकि कुल इनफ्लो के मामले में वैल्यू/कॉन्ट्रा फंड्स सबसे नीचे रहे, जहां 2,155 करोड़ रुपये का निवेश आया।

ईएलएसएस और डिविडेंड फंड्स से निकासी

- मार्च में कुछ इक्विटी कैटेगरी में निवेशकों ने मुनाफावसूली भी की:
- ईएलएसएस फंड्स: 437 करोड़ का आउटफ्लो
- डिविडेंड फंड्स: 59.21 करोड़ का आउटफ्लो
- संकेत देता है कि निवेशक टैक्स सेविंग या डिविडेंड आधारित रणनीतियों से हटकर ग्रोथ-ओरिएंटेड फंड्स की ओर बढ़ रहे।

डेट फंड्स से भारी निकासी

- 2.94 लाख करोड़ का आउटफ्लो, लिक्विड फंड्स सबसे ज्यादा प्रभावित
- मार्च में डेट म्यूचुअल फंड्स से कुल 2.94 लाख करोड़ की निकासी हुई, जो फरवरी के 42,106 करोड़ के रइनफ्लो उलट है।

सबसे ज्यादा निकासी इन कैटेगरी में

- लिक्विड फंड्स: 1.34 लाख करोड़ रुपये
- ओवरनाइट फंड्स: 40,227 करोड़ रुपये
- मनी मार्केट फंड्स: 29,206 करोड़ रुपये
- यह ट्रेंड अक्सर मार्च में देखा जाता है।

हाइब्रिड फंड्स में भी गिरावट

- मार्च में हाइब्रिड फंड्स से 16,538 करोड़ का आउटफ्लो हुआ, जबकि फरवरी में 11,983 करोड़ रुपये का इनफ्लो था।

इन कैटेगरी में आया पैसा?

- मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स : 5,212 करोड़ रुपये
- एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स: हल्का पॉजिटिव इनफ्लो

सबसे ज्यादा निकासी

- आर्बिट्राज फंड्स : 21,113 करोड़ रुपये
- इक्विटी सेविंग्स फंड्स: 1,131 करोड़ रुपये
- यह दर्शाता है कि निवेशक कम-रिटर्न वाले या जटिल प्रोडक्ट्स से दूरी बना रहे।

खबर संक्षेप

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों से मिले कैबिनेट मंत्री

हिसार। लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने आर्य नगर स्थित श्री गुरु दक्ष औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सभा के चुनाव में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों से मिलकर शुभकामनाएं दीं। गौरतलब है कि शनिवार को सम्पन्न चुनाव प्रक्रिया में प्रधान पद के लिए कृष्ण कुमार, उपप्रधान पद के लिए सविता आर्य, महासचिव पद के लिए संदीप गंगवा व कोषाध्यक्ष पद के लिए बस्ती राम को चुना गया। इस मौके पर रिटायर्ड आईएएस आरएस वर्मा, पूर्व चेयरमैन भूपेंद्र गंगवा, एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल, सुरेन्द्र कुमार, मनोज टांक, रामफल मैनेजर, रामवतार विष्णु, मनोहर लाल एमसी, मागर मता गुरी आदि और समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

डीडीईओ ने ली बीपीयू की बैठक, दिए निर्देश

हिसार। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी राम रतन ने बताया कि सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की माताओं को पात्रता के अनुरूप लाडो लक्ष्मी योजना में शामिल कर लाभान्वित किया जाएगा। योजना महिला सशक्तिकरण और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह जानकारी उन्होंने खंड हिसार प्रथम कार्यालय में आयोजित बीपीयू बैठक के दौरान दी। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी ने कहा कि बच्चों में बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान (एफएलएन) का विकास करना विभाग का प्रमुख लक्ष्य है।

मानवीय मूल्य एकीकरण के लिए किया प्रेरित

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग की ओर से 'साहित्य और तकनीकः एक अंतराफलक' विषय पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रतिष्ठित शिक्षाविद प्रोफेसर (डॉ.) उमेद सिंह ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत करते हुए शास्त्रीय मानविकी और आधुनिक डिजिटल प्रगति के बीच विकसित होते संबंधों पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता प्रोफेसर उमेद सिंह ने विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों को 'हाई-टेक' उपकरणों के साथ 'हाई-टच' मानवीय मूल्यों के संतुलित एकीकरण के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय सभागार में हुआ साथ हुआ, जिसके पश्चात विश्वविद्यालय कुलगीत के गायन के बाद डॉ. मनदीप कौर ने औपचारिक रूप से सभी का स्वागत किया।

ईंधन की बचत करते हैं कंपोजिट मेटीरियल्स

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर में 'कंपोजिट साइंस एंड इंजीनियरिंग फॉर ए सस्टेनेबल फ्यूचर' विषय पर एक विशेष व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान कार्यक्रम में टीआईटीएस भिवानी के निदेशक एवं आईआईटी दिल्ली के पूर्व वरिष्ठ प्रोफेसर बीके बेहरा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। अध्यक्षता पीडीयूआईआईसी के निदेशक प्रो. ओम प्रकाश सांगवान ने की। मुख्य वक्ता प्रो. बीके बेहरा ने बताया कि कंपोजिट मेटीरियल्स मजबूत एवं कम वजन के होते हैं। इन पर जंग नहीं लगता, इसलिए यह ज्यादा समय तक चलते हैं। ये ईंधन की बचत करने वाले तथा पर्यावरण के अनुकूल होते हैं।

श्री सांई पालकी शोभायात्रा निकाली

बरवाला। श्री सनातन धर्म हनुमान मंदिर द्वारा संचालित श्री सांई सेवा समिति बरवाला के तत्वावधान में बरवाला शहर में श्री सांई पालकी शोभा यात्रा निकाली गई। श्री सांई पालकी शोभा यात्रा को श्री सनातन धर्म हनुमान मंदिर कमेटी संरक्षक भीम सैन मक्कड़ और युवा भाजपा नेता राहुल चोपड़ा ने नारियल फोड़कर और श्री सांई राम की झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रोजेक्ट चेयरमैन संजीव भाटिया और तरुण ककड ने बताया कि श्री सांई पालकी शोभा यात्रा हनुमान मंदिर से चलकर विभिन्न वार्डों से होती हुई वापिस पहुंची। यात्रा में श्री सांई बाबा के भजनों पर श्रद्धालुओं ने झूम कर आस्था व्यक्त की।

624 वाहनों की जांच, 278 के चालान

दिन-रात्रि गश्त में पुलिस ने बढ़ाई सख्ती, संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी

डॉग स्क्वॉड, कमांडो टीम व स्थानीय पुलिस ने संदिग्ध स्थानों पर की गहन तलाशी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा दिन-रात विशेष गश्त अभियान लगातार चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पैदल गश्त के साथ-साथ पीसीआर, राइडर एवं ईआरवी टीमों द्वारा शहर तथा आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों में सतत निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि को समय रहते रोका जा सके। पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी कर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान कुल 624 वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान नियमों की अवहेलना करने वाले 278 वाहन चालकों के चालान किए गए, जिनमे 4 ट्रिंकिंग के चालान, 8 चालान विदाउट नंबर प्लेट, 6 ट्रिपल राइडिंग, 1 बुलेट पटाखा का चालान, 24 लाइन चेंज का चालान, 2 ब्लैक फ़िल्म के चालान किए। पुलिस नियमों के पालन को लेकर पूरी तरह गंभीर है।

7 ग्राम चिट्टा, 2 मोबाइल फोन, 1 लाख 25 हजार बरामद

हिसार। रात्रि गश्त के दौरान तैनात पुलिस। फोटो : हरिभूमि

हिसार । सर्च अभियान चलाती पुलिस।

निगरानी व्यवस्था को किया गया मजबूत

पुलिस की विभिन्न टीमें आपसी समन्वय के साथ कार्य कर रही हैं। पीसीआर, राइडर व ईआरवी टीमें निरंतर गतिशील रहकर शहर के प्रमुख स्थानों, बाजारों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बनाए हुए हैं। इससे आमजन में सुरक्षा की भावना सुदृढ़ हो रही है। साथ ही पुलिस की गश्त से अपराधियों में भय का माहौल बनेगा। लोग निडर होकर कहीं आ जा सकेंगे।

अपराध नियंत्रण पर विशेष फोकस

इस विशेष गश्त एवं चेकिंग अभियान के माध्यम से संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों पर पैनी नजर रखी जा रही है। पुलिस का उद्देश्यहै कि आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए तथा क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा का माहौल बनाए रखा जाए। दिन रात्रि के समय गश्त बढ़ाए जाने से चोरी, लूट व अन्य अपराधों की संभावनाओं में कमी लाने में मदद मिल रही है।

नशीले पदार्थों की रोकथाम के लिए पुलिस ने चलाया सघन सर्च अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

नशीले पदार्थों की रोकथाम व अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा सर्च अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में विभिन्न पुलिस टीमों द्वारा संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी गई। राजीव नगर, 12 क्वार्टर रोड पर सीआईए मिल गेट निरीक्षक पवन के नेतृत्व में डॉग स्क्वाड टीम, स्वेट कमांडो टीम व 12 क्वार्टर चौकी इंचार्ज की ओर से अभियान चलाया गया।

न्यायिक हिरासत में भेजा

अभियान के तहत सर्चिंग के दौरान राजीव नगर निवासी संजय को 7 ग्राम चिट्टा, 2 मोबाइल फोन वा एक लाख 25000 रुपए बरामद करके गिरफ्तार किया गया। उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस का मुख्य फोकस उस सप्लाई चैन को ध्वस्त करना है जिसके जरिए नशे की खेप पहुंचाई जा रही थी। पुलिस ने दावा किया कि जल्द ही इस नेटवर्क से जुड़े अन्य चेहरों को भी बेनकाब किया जाएगा।

6 चरण पार करके बच्ची ने पाई सफलता

ढाई साल की वान्या ने किया इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन

■ सामान्य ज्ञान से जुड़े 15 सवाल पूछे गए थे बच्ची से

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

महाबीर कॉलोनी की ढाई साल की बच्ची वान्या ने इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। बच्ची की उपलब्धि पर परिवार में उत्साह का माहौल है। बच्ची वान्या के पिता पुरूषोत्तम सैनी ने बताया कि इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की तरफ से आयोजित प्रतियोगिता में वान्या ने यह उपलब्धि हासिल की है।

प्रतियोगिता के तहत विभिन्न विषयों पर 6 स्टेज में सवालों के जवाब देने थे। मुख्य रूप में 15 सवाल सामान्य ज्ञान से जुड़े, साल के महीनों के नाम, सप्ताह के दिनों के नाम, इन्द्र धनुष के रंग, ग्रहों के नाम, चारों ऋतुओं के नाम सहित अन्य सवाल थे। वीडियो बनाकर इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की प्रतियोगिता में भेजी गई। इसके बाद आयोजकों की ओर से तय किया गया कि यह वीडियो कहीं और चली है या नहीं, सभी पैरामीटर जांचने के बाद बच्ची को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। पुरूषोत्तम सैनी ने बताया कि वान्या की माता आंचल सैनी उसे लगातार प्रोत्साहित करती रहती है। उसकी रूचि को देखते हुए उसके दादा चेतराम सैनी भी उसे नई-नई जानकारियों से अवगत करवाते रहते हैं ताकि बच्ची का सामान्य ज्ञान बढ़े।

हिसार । प्रतियोगिता में हिस्सा लेती वान्या व उसका प्रमाण पत्र।

सरकार बदले की भावना से कर रही काम : जयप्रकाश

उकलाना। हिसार लोकसभा क्षेत्र से सांसद जयप्रकाश ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार बदले की भावना से काम कर रही है और गरीबों व किसानों के हितों की अनदेखी की जा रही है। वे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जगन्नाथ बावेजा एवं ओमप्रकाश गोदारा के शोक में शामिल होने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

सांसद जयप्रकाश ने कहा कि भाजपा सरकार ने मनरेगा जैसी योजना को प्रभावी रूप से बंद करने का काम किया है, जिससे गरीब वर्ग के लोगों को मिलने वाला रोजगार प्रभावित हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव में गरीबों द्वारा भाजपा को समर्थन नहीं देने के कारण सरकार ने मनरेगा को कमजोर करने का कदम उठाया है। उन्होंने किसानों के मुद्दे पर बोलते हुए कहा कि सरकार किसानों से बदले की भावना से काम कर रही है।

■ सांसद ने गरीबों के हितों की अनदेखी का आरोप लगाया

पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन स्पर्धा में शिक्षा प्रथम

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

राजकीय महिला महाविद्यालय में रसायन शास्त्र विभाग की ओर से पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. सतबीर सिंह सांगा ने की।

पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता के प्रभारी प्रोफेसर सत्येंदर कुमार ने बताया कि पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता संचार, रचनात्मकता और तकनीकी कौशल को बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम का संचालन में रसायन शास्त्र विभाग के डॉ. राकेश कुमार और ज्योति ने सहयोग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बीएससी प्रथम वर्ष की शिक्षा, द्वितीय स्थान बीएससी तृतीय वर्ष की पूनम और तृतीय स्थान बीएससी द्वितीय वर्ष की रितिका ने प्राप्त किया।

हिसार ।विजेताओं को सम्मानित करते प्राचार्य डॉ. सतबीर सांगा एवं अन्य।

मुसीबत का कारण बन सकता है लावारिस मोबाइल फोन : सिंद्धांत

हिसार। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने कहा है कि लावारिश फोन मुसीबत का कारण बन सकता है। ऐसे में नागरिकों को लावारिश फोन से सावधान रहना चाहिए।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि लावारिस मोबाइल मिलने पर सतर्कता बरतनी चाहिए। अक्सर लोग रास्ते में गिरा हुआ मोबाइल मिलने पर उसे पास रख लेते हैं, जो कानूनी रूप से भारी पड़ सकता है। किसी भी अनजान मोबाइल को बेचना अपराध की श्रेणी में आ सकता है वहीं, ऐसे मोबाइल का उपयोग करने से नागरिक अनजाने में किसी आपराधिक जांच के घेरे में आ सकते हैं।

25 किलो भारवर्ग में अवन्या और 30 किलो में नव्या रहे अव्वल

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

महावीर कॉलोनी स्थित राइजिंग सन पब्लिक स्कूल में शनिवार को महात्मा ज्योतिबा फूले जयंती के अवसर पर जूडो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धांसू के प्राध्यापक राजबीर सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने महात्मा ज्योतिबा फूले द्वारा समाज में दिए योगदान पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल निदेशक सुरेश सैनी ने की।

इस अवसर हिसार जूडो एसोसिएशन के प्रधान जगदीश चन्द्र, महात्मा ज्योतिबा फूल स्पोर्टस एकेडमी प्रधान राम अवतार सैनी, सचिव प्रहलाद सिंह सैनी, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र कश्यप, उपप्रधान प्रीतम सैनी, सतीश कुमार, कोच ललित सैनी, रोहित, राजकुमार, सुश्री सपना आदि मौजूद थे।

हिसार । महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर नमन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई

हिसार। रेयांश इंटरनेशनल स्कूल शाहपुर में महात्मा ज्योतिबा फुले जी की जयंती पर उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर प्रिंसिपल मनीषा सिंह ने बताया कि महात्मा ज्योतिबा फुले एक महान शख्सियत थे जिन्होंने वंचितों, शोषितों एवं महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले महात्मा ज्योतिबा फुले जी के महान आदर्श और प्रेरणादायी विचार समाज के लिए सदैव उपयोगी एवं मूल्यवान रहेंगे। इस अवसर पर ज्वाइंट डायरेक्टर अंजू सैनी ने बताया कि महान समाज सुधारक, शोषितों और वंचितों के प्रखर स्वर महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। इस मौके पर स्कूल के डायरेक्टर सतबीर सैनी, सावित्रीबाई फुले वेलफेयर सोसाइटी के महासचिव मुकेश सैनी मोनू, राजेश, सीमा, नीलम राठी, साक्षी, यशिका, शहनाज, बबीता, हिमांशु, संगीता, विकास आदि उपस्थित थे।

एसडी मॉडर्न स्कूल में शिक्षक प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

एसडी मॉडर्न पब्लिक स्कूल में शनिवार को लाइफ स्किल्स (बेसिक) डोमेन-1 विषय पर एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण शिविर केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुसार सनातन धर्म मॉडर्न पब्लिक स्कूल में सीबीपी के अंतर्गत लाइफ स्किल्स (बेसिक) डोमेन–1 विषय पर एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ प्रशिक्षक रोहतास सिंह एवं पूजा मित्तल ने विभिन्न गतिविधियों, चर्चाओं और उदाहरणों के माध्यम से शिक्षकों का मार्गदर्शन किया। इस प्रशिक्षण में विद्यालय के 60 शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन कंप्यूटर विभाग अध्यक्षा डॉ. रश्मि जैन ने किया।

स्कूल प्राचार्या ऋतु सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को ऐसे जीवन कौशलों से अवगत कराना था, जिनसे वे कक्षा में विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, संचार कौशल, निर्णय क्षमता एवं सकारात्मक सोच का विकास कर सकें। विद्यालय प्रबंधक समिति प्रधान सज्जन अग्रवाल ने प्रशिक्षण शिविर की सराहना की।

हांसी। प्रशिक्षण शिविर में स्कूल प्राचार्या ऋतु सिंह के साथ भाग लेते स्कूल शिक्षक।

एलपीजी बुकिंग के नाम पर साइबर ठगी का बढ़ रहा जाल, सतर्क रहें

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

■ सोशल मीडिया के माध्यम से फर्जी लिंक भेजते हैं ठग

पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने एलपीजी गैस बुकिंग के नाम पर बढ़ रहे साइबर ठगी के मामलों को लेकर आमजन के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी फास्ट बुकिंग, तुरंत डिलीवरी या विशेष छूट जैसे लालच देकर एसएमएस, व्हाट्सएप व सोशल मीडिया के माध्यम से फर्जी लिंक भेज रहे हैं।

इन लिंक पर क्लिक करने पर यूजर नकली वेबसाइट पर पहुंच जाता है, जहां उससे एडवांस पेमेंट या बैंक से जुड़ी गोपनीय जानकारी मांगी जाती है। कई मामलों में ठग ओटीपी या यूपीआई पिन आदि हासिल कर खाते से रुपए निकाल लेते हैं। साथ ही कुछ मामलों में ठग खुद को गैस एजेंसी का कर्मचारी बताकर कॉल के जरिए भी ठगी करने का प्रयास करते हैं। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि अधिकृत गैस एजेंसियां इस प्रकार से अनजान लिंक भेजकर या कॉल कर तत्काल भुगतान की मांग नहीं करती हैं, इसलिए ऐसे किसी भी संदेश या कॉल पर भरोसा न करें।

विनोद कुमार, एसपी

रोजगार मेला | विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ पुनीत गोयल ने चयनित प्रतिभागियों को दी बधाई

ओएसजीयू के मेगा जॉब फेयर में हुआ 367 प्रतिभागियों का चयन

प्रतिस्पर्धी युग में कौशल ही आपकी सबसे बड़ी पूंजी : बिंदलिश

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय में शनिवार को आयोजित पूल कैम्पस (मेगा जॉब फेयर) का भव्य समापन हुआ। आयोजन में 60 से अधिक कंपनियों ने हिस्सा लिया और जॉब फेयर में पूरे हरियाणा प्रदेश से विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस मेगा जॉब फेयर में 2500 से आधिक प्रतिभागियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया था। इसमें विभिन्न कंपनियों में 367 से अधिक उम्मीदवारों का चयन हुआ है। इस कार्यक्रम के दौरान देश की नामी कंपनियों ने विद्यार्थियों का चयन किया। विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ पुनीत गोयल व प्रो.चांसलर डॉ पूनम गोयल ने अपने संदेश में खुशी जाहिर करते हुए सभी चयनित प्रतिभागियों को बधाई दी और उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

हिसार । मुख्यअतिथि जेएसएल के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट व यूनिट हेड विजय कुमार बिंदलिश को स्मति चिन्ह देती ओएसजीयू की प्रो .चांसलर डॉ पूनम गोयल।

रोजगार मेले में विभिन्न कंपनियां पहुंचीं

कार्यक्रम के अंत में जेएसएल के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट व यूनिट हेड विजय कुमार बिंदलिश ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कि नौकरी पाना केवल एक शुरुआत है, उसे पूरी निष्पक्षता और समर्पण के साथ करना ही असली सफलता है और कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में कौशल ही आपकी सबसे बड़ी पूंजी है। इस मौके पर बाहर से आई हुई सभी कंपनी व उम्मीदवारों के साथ आए हुए ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग के अधिकारियों का विश्वविद्यालय की प्रथा अनुसार प्लांट्स एवं मोमेंटो देकर स्वागत किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एन. पी. कौशिक और प्रति कुलपति डॉ राजेंद्र सिंह छिल्लर ने चयनित प्रतिभागियों को बधाई दी। जॉब फेयर के संचालक डॉ मीना कुंडू, डॉ तरुण जैन, भव्य वशिष्ट, डॉ सचिन पंघाल ने बताया कि इस जॉब फेयर में हर एक दिन विभिन्न कंपनियों ने विद्यार्थियों का इंटरव्यू लिया।

सीआरएम जाट कॉलेज के छात्र छात्राों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

सीआरएम जाट कॉलेज, हिसार के जूलॉजी एवं बॉटनी विषय के विद्यार्थियों ने पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला एवं छतबीड़ प्राणी उद्यान का शैक्षणिक भ्रण किया।

महाविद्यालय के जीव विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर सुरेश कुमार ने बताया कि इस भ्रमण के अंतर्गत विद्यार्थियों ने पटियाला स्थित पंजाबी विश्वविद्यालय के बॉटनी म्यूज़ियम एवं बॉटैनिकल गार्डन का भ्रमण किया जिसमें विद्यार्थियों ने पौधों के नमूनों को संरक्षित करने की तकनीकों के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा बॉटैनिकल गार्डन में विभिन्न प्रकार के औषधीय पौधों को देखा और उनके उपयोगों को समझा। पटियाला विश्वविद्यालय की बॉटनी विभागाध्यक्ष डॉ गीतिका ने भ्रमण के दौरान म्यूजियम की विशेषताओं की जानकारी दी।

पब्लिक नोटिस

मैं, भुप सिंह पुत्र श्री रमेश कुमार निवासी नजदीक वीएस फैक्ट्री, भाटिया कालोनी हांसी तहसील व जिला हांसी बयान करता हूं मेरा लड़का सन्नी मेरे व मेरे परिवार के कहने व सुनने से बाहर है। इसलिए मैं अपने पुत्र सन्नी को अपनी तमाम चल व अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। आज के बाद सन्नी के साथ मेरा व मेरे परिवार का कोई संबंध नहीं रहा है तथा सन्नी के साथ लेनदेन व व्यवहार करने वाला व्यक्ति खुद जिम्मेवार होगा, मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

नगर निगम ने 30 पशु भेजे गो अभ्यारण्य

हिसार। नगर निगम द्वारा बेसहारा पशुओं को पकड़ने का अभियान लगातार जारी है। यह अभियान नियमित रूप से चलाया जा रहा है। इस अभियान के सहायक नोडल अधिकारी सुरेन्द्र वर्मा की देखरेख में नगर निगम की टीम ने शनिवार को विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई की। नोडल अधिकारी सुरेन्द्र वर्मा ने बताया कि नगर निगम की टीम ने सेक्टर 9-11, सेक्टर 27- 28, महावीर कॉलोनी, सेक्टर 1-4, शांति नगर, न्यू मॉडल टाउन, सातरोड के आस-पास क्षेत्र से 30 बेसहारा पशुओं को पकड़ा। पकड़े गए पशुओं को गो अभ्यारण्य भेज दिया गया है।

प्रवीन खन्ना ब्रह्म रतन अवार्ड से सम्मानित

हिसार। जबलपुर में फाइव एलिमेंट ग्रुप द्वारा आयोजित तीन दिवसीय नेशनल वास्तु कन्वेंशन में हिसार

के वास्तुविद प्रवीन खन्ना को देश भर के वस्तु विशेषज्ञों और ऊर्जा विज्ञान के विद्वानों की मौजूदगी में ब्रह्म रतन अवार्ड से सम्मानित किया गया। प्रवीन खन्ना 2015 से वास्तु एवं ज्योतिष ज्ञान पर उत्तर भारत में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इस आयोजन में देश भर से 108 वास्तुविद एकत्रित हुए और उन्होंने वास्तु विज्ञान और ऊर्जा विज्ञान विषय पर अपने-अपने विचार सांझा किया।

वक्फ बोर्ड संशोधन को लेकर बैठक आज

हिसार। मुस्लिम कल्याण कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष हरफूल खान भट्टी ने कहा है कि भारत सरकार ने हरियाणा वक्फ बोर्ड 2025 में संशोधन करके भारत के मुसलमानों की धार्मिक गतिविधियों पर रोक लगाने का प्रयास किया है। यह बिल संसद में पास होकर राष्ट्रपति ने 5 अप्रैल को हस्ताक्षर करके इसे कानून बना दिया। हरफूल खान भट्टी ने बताया कि इस कानून में बहुत सी धाराएं ऐसी हैं जो संविधान विरोधी हैं।

छात्रों ने एमएसएमई सेंटर का भ्रमण किया

आदमपुर। राजकी बहुतकनीकी संस्थान के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के चतुर्थ सेमेस्टर के 57 विद्यार्थियों ने एमएसएमई टेक्नोलॉजी सेंटर, रोहतक में औद्योगिक भ्रमण किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए एक इंटरएक्टिव वर्कशॉप का भी आयोजन किया गया। वर्कशॉप के दौरान विशेषज्ञों ने सीएनएस मशीनिंग, ऑटोमेशन, आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग प्रक्रियाओं से आधारित तकनीकों पर विस्तृत जानकारी दी। औद्योगिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रयोगशालाओं, मशीनों एवं उत्पादन इकाइयों का अवलोकन किया तथा कार्यप्रणालियों को नजदीक से समझा।

दिव्यांग केंद्र में निःशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविर

हिसार। भाविप हरियाणा भारत विकास फाउंडेशन दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में समाजसेवियों के सहयोग से निशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में 20 बुजुर्गों की आंखों के सफेद मोतियाबिंद के ऑपरेशन फ्री किए गए। केंद्र के अध्यक्ष डॉ. रोशनलाल गोयल के साथ अन्य भी रहे।

कैबिनेट मंत्री ने गांव खरड़ अलीपुर में डा. आंबेडकर की प्रतिमा का किया अनावरण

बच्चों को केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि अच्छे संस्कार भी दें : रणबीर गंगवा

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने शनिवार को गांव खरड़ अलीपुर में पहुंचकर बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कपूर सिंह द्वारा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर ने भारतीय संविधान का निर्माण कर देश को एक सशक्त लोकतांत्रिक ढांचा प्रदान किया। उन्होंने समाज के वंचित, शोषित एवं पिछड़े वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए आजीवन संघर्ष किया। उनका जीवन हमें समानता, न्याय और शिक्षा का महत्व सिखाता है। इस अवसर पर महाराज मंगलानंद, संस्था के अध्यक्ष बारु राम, सरपंच सुभाष, गांव खरड़ के सरपंच रमेश सैनी, ढाणी रायपुर के सरपंच मदन लाल शर्मा, सरपंच भगवान दास भानखड़, कपूर सिंह भानखड़, पूर्व सरपंच सुशील, सुभाष, पवन, हरिपाल गुर्जर, कपूर सिंह कुंडू, मनोहर लाल एमसी, रूप राम गुर्जर, भूप सहरावत, अजय जांगड़ा, धर्मवीर शर्मा, ओमपति, कुलबीर मलिक, लीलू राम, मथुरा सिंह, अशोक कुमार, बबलू, जयबीर, प्रवीण कुमार और कुलदीप सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने बच्चों की शिक्षा पर जोर दिया

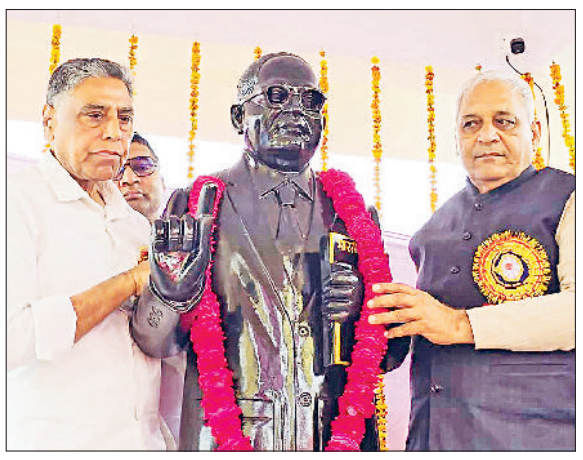

हिसार। बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण करते कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा। *फोटो : हरिभूमि*

बच्चों की शिक्षा पर जोर दें अभिभावक

कैबिनेट मंत्री ने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों को केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि अच्छे संस्कार भी दें, ताकि वे एक जिम्मेदार नागरिक बन सकें। शिक्षा ही वह माध्यम है, जो व्यक्ति के जीवन को नई दिशा देती है और समाज में सकारात्मक बदलाव लाती है। कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री ने मौके पर उपस्थित ग्रामीणों एवं क्षेत्रवासियों की समस्याएं भी सुनीं। इस दौरान लोगों ने पेयजल, सडक़, सीवरेज सहित विभिन्न जनहित से जुड़े मुद्दे मंत्री के समक्ष रखे, जिन पर उन्होंने शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया।

हिसार। असरावां में आयोजित समारोह को संबोधित करते विधायक चंद्रप्रकाश।

ज्योतिबा फुले व बाबा साहेब ने शिक्षा के क्षेत्र में दिया अविस्मरणीय योगदान

हिसार। डॉ. बी. आर. अंबेडकर वेलफेयर क्लब व शिरोमणि संत गुरु रविदास सभा द्वारा गांव असरावां में आयोजित ज्योतिबा फुले जयंती व बाबा साहेब डॉ. बी. आर. अंबेडकर जन्मोत्सव में विधायक चंद्रप्रकाश ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस दौरान चंद्रप्रकाश ने समस्त ग्रामवासियों की उपस्थिति में वीएएनजीवाई व डी प्लान के अंतर्गत गांव असरावां में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन में नवनिर्मित हाल कमरे का उद्घाटन भी किया। समारोह में ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि ज्योतिबा फुले व बाबा साहेब ने महिलाओं और दलितों की शिक्षा व समानता के लिए अविस्मरणीय कार्य किया है। उन्होंने समस्त देशवासियों को सही ढंग से जीने की नई राह दिखाई। इसलिए हम सभी को उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए जनकल्याणकारी कार्यों में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ज्योतिबा फुले हमेशा जाति आधारित भेदभाव के खिलाफ रहे और इस सामाजिक बुराई को दूर करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

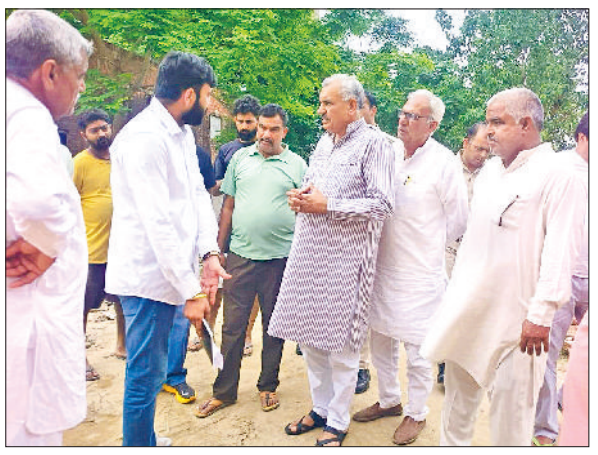

हिसार। आज़ाद नगर में स्ट्रॉम वाटर ड्रेनेज कार्य का निरीक्षण करते विधायक रणधीर पनिहार। *फोटो : हरिभूमि*

विधायक पनिहार ने विकास कार्यों पर वरिष्ठ नागरिकों से की चर्चा

- गांव मंगाली, कैमरी व आर्यनगर में सुनी जनसमस्याएं

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

नलवा के विधायक रणधीर पनिहार ने शनिवार को गांव चलो अभियान के तहत गांव मंगाली, कैमरी तथा आर्यनगर का दौरा कर ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया तथा आगामी योजनाओं को लेकर ग्रामवासियों से विस्तृत चर्चा भी की।

गांव मंगाली में अपने दौरे के दौरान विधायक रणधीर पनिहार ने वाटर वर्क्स का निरीक्षण किया और पेयजल व्यवस्था की स्थिति का आकलन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीणों को स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध करवाना सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पानी की सप्लाई, रखरखाव एवं अन्य तकनीकी पहलुओं की जानकारी भी ली। विधायक ने सरपंच भगवान दास के साथ आज़ाद नगर में बन रहे स्ट्रॉम वाटर ड्रेनेज कार्य का भी निरीक्षण किया और गुणवत्ता की जांच की।

ये रहे मौजूद

गांव चलो अभियान के अवसर पर ब्लॉक समिति हिसार-2 के चैयरमैन अजय गावड, ब्लॉक समिति हिसार-1 के चैयरमैन सुरेंद्र मंडा, मार्केट कमेटी हिसार के चैयरमैन रविन्द्र रॉकी, हनुमान वर्मा आर्यनगर, बलराज धायल सरपंच मंगाली सुरतिया, जोगिंदर सरपंच मंगाली झारा, राजेश सरपंच मंगाली आकलान, बलवंत सरपंच मंगाली मोहब्बत, सुभाष सरपंच मंगाली जाटान आदि उपस्थित थे।

इंडस आरपीएस पब्लिक स्कूल में पहली बार एमयूएन की दिखी शानदार झलक

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

- छात्रों ने दिखाई कूटनीतिक समझ

शहर के शिक्षा क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ते हुए सेक्टर 16-17 स्थित इंडस आरपीएस पब्लिक स्कूल में पहली बार मॉडल यूनाइटेड नेशंस (एमयूएन) का सफल आयोजन किया गया। शनिवार को शुरू हुए दो दिवसीय इस कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में नेतृत्व क्षमता, तार्किक सोच, संवाद कौशल एवं वैश्विक मुद्दों के प्रति जागरूकता विकसित करना रहा। इस आयोजन में विद्यार्थियों ने विभिन्न देशों का प्रतिनिधित्व करते हुए अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नगर पार्षद सुमन यादव उपस्थित रहीं। उनके साथ प्रवीण परुथी ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। सभी अतिथियों ने छात्रों के आत्मविश्वास और प्रस्तुति कौशल की सराहना की। कार्यक्रम के सफल संचालन में शिक्षकों एवं वॉलंटियर विद्यार्थियों का विशेष योगदान रहा।

ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के विकास में सहायक

चेयरपर्सन डॉ. एकता सिंधु ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उन्हें वैश्विक मंच पर अपनी पहचान बनाने के लिए प्रेरित करते हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुभाष चंद्र राजपूत ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन छात्रों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

गुजवि छात्रों का दिव्यांग एकाधिकार पुनर्वास ट्रस्ट में शैक्षिक भ्रमण

हिसार। गुरु जंभेश्वर विवि के मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों द्वारा दिव्यांग एकाधिकार पुनर्वास ट्रस्ट में एक विस्तृत शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभाग के प्रोफेसर डॉ. गौरव शर्मा, डॉ. विजेता एवं डॉ. मनीष भी उपस्थित रहे, जिन्होंने विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया। इस शैक्षिक भ्रमण में एम.ए. मनोविज्ञान, पीजीडीसी डिप्लोमा इन साइकोलॉजी तथा एडवांस डिप्लोमा इन चाइल्ड गाइडेंस एंड काउंसलिंग के विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। विद्यार्थियों को मनोविज्ञान के क्षेत्र में विकसित हो रही नई पद्धतियों एवं आधुनिक थेरेपी तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी गई।

आधार अस्पताल में हुई रोबोटिक सर्जरी का भारत मंडपम में लाइव प्रसारण

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

आधार अस्पताल ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए लाइव रोबोटिक सर्जरी का सफल आयोजन किया, जिसका सीधा प्रसारण दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित तीन दिवसीय एसएसआई मंत्रा की तीसरी एसएमआरएससी 2026 वैश्विक रोबोटिक सर्जरी कॉन्फ्रेंस तथा रेवाड़ी के पेरिस विला रिसॉर्ट में आयोजित हैसीकॉन 2026 की 13वीं वार्षिक कॉन्फ्रेंस में किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य देश–विदेश के विशेषज्ञ सर्जनों के बीच उन्नत रोबोटिक तकनीकों का ज्ञान साझा करना और आधुनिक शल्य चिकित्सा के नए आयामों को प्रस्तुत करना था। आधार मेटाबॉलिक सर्जरी सेंटर के वरिष्ठ एडवांस बेरियाट्रिक सर्जन डॉ. दीपक मित्तल, एडवांस लैप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. हरीश शर्मा और डॉ. प्रमिला शर्मा की विशेषज्ञ टीम ने अत्याधुनिक रोबोटिक तकनीक की सहायता से कई जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न कीं। इन सर्जरी प्रक्रियाओं का देश–विदेश के अनेक सर्जनों, प्रशिक्षुओं और चिकित्सा विशेषज्ञों ने लाइव अवलोकन किया।

हिसार। रोबोटिक सर्जरी का लाइव प्रसारण करते हुए।

डा. दीपक ने जानकारी दी

डॉ. दीपक मित्तल ने बताया कि इस आयोजन के अंतर्गत 60 वर्षीय मरीज की बाइलेटरल इनगुइनल हर्निया तथा 45 वर्षीय महिला मरीज की यूट्रस रिमूवल एवं बाइलेटरल सल्पिन्जेक्टॉमी सर्जरी का सफल लाइव प्रसारण किया गया।

कार्य की समीक्षा से पहले आत्म समीक्षा से मिलता है संगठन को विस्तार : जयप्रकाश

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

संस्कृत भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री जयप्रकाश गौतम ने कहा है कि दायित्व का असली उद्देश्य तभी पूरा होता है जब उसका निर्वहन निष्ठापूर्वक हो। वे शनिवार को जिले के गांव खरड़ अलीपुर स्वामी दीप्तानंद अवधूत आश्रम में संस्कृत भारती हरियाणा की प्रांत समीक्षा योजना गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। गोष्ठी प्रांतभर से सौ से अधिक कार्यकर्ता पहुंचे हैं। अध्यक्षता अखिल भारतीय संत समिति के कोषाध्यक्ष स्वामी जितेन्द्रानंद जी महाराज ने की। तृतीय सत्र में पूर्व मंत्री डॉ कमल गुप्ता ने भी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए जयप्रकाश ने बताया कि प्रदेश में 26 वर्ष पूर्व स्थापित संस्कृत भारती रूपी पौधा धीरे धीरे वट वृक्ष का रूप धारण करता जा रहा है। संस्कृत भारती वर्तमान में सम्पूर्ण राष्ट्र के 860 से भी अधिक जिलों में कार्य कर रही है।

हिसार। खरड़ अलीपुर स्वामी दीप्तानंद अवधूत आश्रम में संस्कृत भारती हरियाणा की प्रांत समीक्षा योजना गोष्ठी के तृतीय सत्र को संबोधित करते पूर्व मंत्री डॉ कमल गुप्ता।

आवार्ड विजेता उमंग से सम्मान में समारोह

- हैप्पी पब्लिक स्कूल में इंस्पायर अवार्ड विजेता छात्रा उमंग का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

हैप्पी पब्लिक स्कूल में शनिवार सुबह की विशेष सभा में राष्ट्रीय स्तर की इंस्पायर अवार्ड मनक प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता 2025 में 10,000 का पुरस्कार जीतने वाली छात्रा उमंग को फूल-मालाएं व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर स्कूल प्रधानाचार्य व डायरेक्टर सुरेन्द्र बेरवाल ने छात्रों को संबोधित करते हुए उमंग की मेहनत, रचनात्मकता और नवाचारपूर्ण प्रोजेक्ट की सराहना की, जो पूरे देश के प्रतिभागियों में अलग दिखा। इस अवसर पर प्रधानाचार्य सुरेंद्र बेरवाल और विजेंद्र वर्मा ने उमंग को शील्ड और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया और घड़ी देकर समय के महत्व के बारे में बताया। इस अवसर पर विजेन्द्र वर्मा ने छात्रों को ज्योतिबा फुले के जीवन के बारे में भी बताया गया। ज्योतिबा फुले भारत के महान सामाजिक सुधारक थे। उन्होंने छात्रों से उमंग की सफलता और ज्योतिबा फुले के जीवन से प्रेरणा लें तथा शैक्षणिक उत्कृष्टता और नवाचार के साथ-साथ समाज के प्रति सकारात्मक योगदान दें।

हांसी। स्कूल छात्रा उमंग को सम्मानित करते करते स्कूल प्राचार्य सुरेंद्र बेरवाल व अन्य।

राजकीय कॉलेज खेडी चोपटा में इंटर्नशिप के लिए छात्रों को किया जागरूक

नारनौंद। राजकीय महाविद्यालय, खेडी चोपटा में शनिवार को ग्रीष्मकालीन अवकाश 2026 के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम के संबंध में एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य अनिल कुमार महता ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को इंटर्नशिप के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह उनके व्यावसायिक जीवन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे उन्हें व्यावहारिक ज्ञान और अनुभव प्राप्त होगा। इस अवसर पर इंटर्नशिप समन्वयक एवं कंप्यूटर विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष दिनेश ने विद्यार्थियों को ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने इंटर्नशिप की प्रक्रिया, समय-सारणी, आवेदन विधि तथा आवश्यक दिशा-निर्देशों को क्रमवार (मिनट-टू-मिनट) तरीके से समझाया, जिससे विद्यार्थियों को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

परमात्मा की बराबरी कोई नहीं कर सकता, इसलिए उसे चित्त में बसा लीजिए : स्वामी सुदर्शनाचार्य

हिसार। कलश यात्रा के उपरांत सेक्टर 9-11 के शिव मंदिर में शुरू हुई श्रीमद भागवत कथा में विभिन्न क्षेत्रों से काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर वृंदावन से पधारे श्री श्री 1008 श्रीमद जगदगुरु रामानुजाचार्य त्रिदंडी स्वामी सुदर्शनाचार्य महाराज ने श्रीमद भागवत कथा के महात्म्य से परिचय करवाया। उन्होंने कहा कि अपने हृदय को शुद्ध, सात्विक व आनंदयुक्त करने के लिए परमात्मा का ध्यान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह परम है, इसलिए उसे परमात्मा कहते हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं को समझाया कि परमात्मा की बराबरी कोई नहीं कर सकता, इसलिए उसे चित्त में बसा लेना चाहिए। कथा व्यास त्रिदंडी स्वामी सुदर्शनाचार्य महाराज ने कहा जब भी आप मंदिर या किसी अन्य धार्मिक स्थल पर जाएं तो भगवान के विग्रह को जी भरकर निहारिए। जब उसका स्वरूप आपके हृदय में और अंतरमन में बस जाए तो फिर नेत्र बंद करके दर्शन कीजिए। हृदय में बसने के बाद किसी और के दर्शनों की आवश्यकता ही नहीं रहती है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

हरियाणा पावर स्पोर्ट्स ग्रुप की मेजबानी में 13वीं इंटर पावर यूटीलिटी खेलकूद प्रतियोगिता

डीएचबीवीएन ने जीती ओवरऑल चैंपियनशिप

- विजेता खिलाड़ियों को डीएचबीवीएन के मुख्य अभियंता रजनीश गर्ग ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

विद्युत नगर स्थित खेल प्रांगण में हरियाणा पावर स्पोर्टस ग्रुप की मेजबानी में सम्पन्न हुई तीन दिवसीय 13वीं इंटर पावर यूटीलिटी खेलकूद प्रतियोगिता में दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड ने 65 अंक लेकर ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता के समापन समारोह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड के मुख्य अभियंता (मानव संसाधन एवं प्रशासन) रजनीश गर्ग और बतौर विशिष्ट अतिथि दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड के अधीक्षक अभियंता (सीबीओ) बिजेन्द्र लांबा शामिल हुए। समापन समारोह के अवसर पर रजनीश गर्ग ने विजेताओं में ईनाम वितरित किए।

हिसार। विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते अतिथिगण। *फोटो : हरिभूमि*

रस्साकशी में डीएचबीवीएन के टीम अव्वल

पुरुषों के हुए रस्साकशी के मुकाबलों में द.ह.बि.वि.नि.लि. प्रथम और उ.ह.बि.वि.नि.लि. द्वितीय स्थान पर रहे। महिलाओं के हुए रस्साकशी के मुकाबलों में द.ह.बि.वि.नि.लि. प्रथम और उहबिविनलि द्वितीय स्थान पर रहे। फुटबॉल के हुए मुकाबलों में दहबिविनिलि प्रथम और एचवीपीएनएल द्वितीय स्थान पर रहे। वॉलीबॉल (स्मैशिंग) के हुए मुकाबलों में उहबिविनिलि प्रथम और दहबिविनिलि) द्वितीय स्थान पर रहे।

खेलों का उद्देश्य कर्मचारियों को ऊर्जावान बनाना

इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्य अतिथि गर्ग ने कहा कि बिजली वितरण जैसे कठिन और जोखिम भरे कार्य में स्फूर्ति का होना अत्यंत आवश्यक है। मुझे पूरा विश्वास है कि इन तीन दिनों में आपने जिस टीम भावना से यहां खेलों में अपना प्रदर्शन किया है, उसी टीम भावना से आप कार्यस्थल पर अपना कार्य बेहतर तरीके से करेंगे।

यह रहे फाइनल परिणाम

13वीं इंटर पावर यूटीलिटी खेलकूद प्रतियोगिता के फाइनल परिणामों में हॉकी के हुए मुकाबलों में हरियाणा विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड प्रथम और हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड द्वितीय स्थान पर रहे। कबड्डी के हुए मुकाबलों में दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम प्रथम और उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम तीय स्थान पर रहे। पुरुषों के हुए टेबल टेनिस के मुकाबलों में उहबिविनिलि प्रथम और दहबिविनिलि द्वितीय स्थान पर रहें। महिलाओं के हुए टेबल टेनिस के मुकाबलों में दहबिविनिलि प्रथम और एच.वी.पी.एन.एल. द्वितीय स्थान पर रहे। दिव्यांगजन के हुए टेबल टेनिस के मुकाबलों में दहबिविनिलि प्रथम स्थान पर रहा।

सरकार को अग्रोहा के चारों तरफ ग्लोबल सिटी बनानी चाहिए : गर्ग

हिसार। वैश्य समाज के प्रतिनिधियों राष्ट्रीय समिति की मीटिंग अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में हुई। इसमें अग्रोहा राष्ट्रीय स्तर पर विकसित करने पर विचार किया गया। अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार में अग्रोहा को ग्लोबल सिटी बनाने की घोषणा की थी। सरकार को अपनी घोषणा के अनुसार अग्रोहा के चारों तरफ गांव व शहर से जोड़कर विशाल ग्लोबल सिटी बनानी चाहिए। अग्रोहा में ग्लोबल सिटी बनाने से देश के कोने-कोने से उद्योगपति अरबों रुपए का पूंजीनिवेश करेंगे।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 12 अप्रैल 2026

विशेषः विश्व विरासत दिवस 18 अप्रैल

हमारे अतीत की पहचान, मानवीय सभ्यता की निशानियां, ऐतिहासिक धरोहरें हम सभी का गौरव हैं। लेकिन आपदाओं और मानवीय संघर्षों से इनके अस्तित्व पर भी संकट मंडराने लगा है। ऐसे में विश्व विरासत दिवस की इस वर्ष की थीम 'संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवंत विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया'-अत्यंत सामयिक है। हम सभी को विरासतों के संरक्षण के लिए संकल्पित होना चाहिए।

संघर्षों-आपदाओं के इस दौर में लें विश्व धरोहरों के संरक्षण का संकल्प

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

बीते कुछ वर्षों से विश्व भर में कई जगहों पर युद्ध और संघर्ष की भयावह स्थिति बनी हुई है। प्राकृतिक और मानवकृत आपदाएं भी अपने चरम पर हैं। आज दुनिया जिस मोड़ पर खड़ी है, वहां केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि हमारी सदियों पुरानी पहचान, हमारी विरासत भी खतरे में है। इस वर्ष विश्व धरोहर दिवस की थीम हमें याद दिलाती है कि जब जानलेवा और विध्वंसक मिसाइल और बम गिरते हैं या नदियां, सागर उफनते हैं, पहाड़ दरकते हैं, तो केवल इमारतें नहीं ढहतीं, बल्कि एक सभ्यता की आत्मा घायल होती है। ऐसे में हमारी सदियों पुरानी अनमोल धरोहरों का संरक्षण, चिंता का बड़ा विषय बन गया है। ये विरासतें कई प्रकार की हैं, धार्मिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक और जीवंत। ये हमारी पहचान हैं। ये हमारे पूर्वजों, महापुरुषों और विद्वानों की स्मृति के साथ-साथ आने वाली पीढ़ी के लिए एक दस्तावेज जैसी हैं, जिन्हें सुरक्षित और संरक्षित रखना अत्यंत आवश्यक है।

जीवंत विरासत का अर्थ

'जीवंत विरासत' का मतलब सिर्फ पत्थर की दीवारें नहीं होती हैं। इसमें हमारी लोक कथाएं, पारंपरिक संगीत, हस्तशिल्प और वे त्योहार भी शामिल होते हैं, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलते आ रहे हैं। संघर्ष के समय जब लोग विस्थापित होते हैं, तो ये 'अमूर्त विरासत' ही उन्हें अपनी जड़ों से जोड़े रखती हैं। इन्हें बचाना मानवीय गरिमा को बचाने जैसा है। जाहिर है, यह थीम केवल इमारतों या स्मारकों तक सीमित नहीं है, बल्कि 'लिविंग हेरिटेज' यानी हमारी परंपराओं, लोक कलाओं, भाषाओं और उत्सवों पर जोर देती है, जो मानवीय अस्तित्व का अभिन्न अंग हैं।

हेरिटेज का डिजिटलाइजेशन

आपदाओं में भौतिक नुकसान की भरपाई संभव नहीं होती, इसलिए आधुनिक तकनीक (3डी मैपिंग, क्लाउड स्टोरेज) के जरिए विरासत का डिजिटल रिकॉर्ड रखना अनिवार्य हो गया है ताकि भविष्य में पुनर्निर्माण किया जा सके। भौतिक रूप से नष्ट हुई विरासत को दोबारा जीवित करने का एकमात्र तरीका 'डिजिटल ट्विन' तकनीक है। 3डी लेजर स्कैनिंग और ड्रोन मैपिंग के जरिए हर बारीक नक्काशी का रिकॉर्ड रखना अब जरूरत बन गई है, ताकि भविष्य में पुनर्निर्माण सटीक हो सके।

दोहरे खतरों की पहचान

वर्तमान में दुनिया भर में विरासत दो प्रमुख मोर्चों पर खतरे में हैः पहला, मानव निर्मित सशस्त्र संघर्ष (युद्ध) और दूसरा, प्रकृति जनित जलवायु परिवर्तन व आपदाएं (बाढ़, भूकंप, आग)। बदलते मौसम, अनियंत्रित बाढ़ और भूकंप ने कई प्राचीन शहरों को मलबे में बदल दिया। इसलिए जरूरी है कि आपदा प्रबंधन की योजना में ऐतिहासिक स्मारकों को भी प्राथमिकता दी जाए, ताकि मलबे के साथ इतिहास न दफन हो जाए।

सांस्कृतिक पहचान पर न हो प्रहार

युद्ध और संघर्ष के दौरान अकसर सांस्कृतिक प्रतीकों को जानबूझकर निशाना बनाया जाता है ताकि किसी समुदाय की पहचान और मनोबल को तोड़ा जा सके। जब युद्ध और सशस्त्र संघर्ष का क्रूर प्रहार होता है तो सांस्कृतिक पहचान पर चोट पहुंचती है। रूस-यूक्रेन से लेकर मध्य-पूर्व (फिलिस्तीन-इजरायल और ईरान-अमेरिका) तक के मौजूदा संघर्षों में हमने देखा है कि ऐतिहासिक संग्रहालयों और पुस्तकालयों को निशाना बनाया गया। इस वर्ष की थीम का मुख्य उद्देश्य, युद्ध क्षेत्रों में इन संपत्तियों को (नो-वॉर जोन) के रूप में मान्यता दिलाना और उनके विनाश को 'युद्ध अपराध' के रूप में कड़ाई से लागू करना है। थीम इसके विरुद्ध एक सुरक्षा कवच तैयार करने की वकालत करती है।

त्वरित प्रतिक्रिया की आवश्यकता

विरासत के संरक्षण के लिए त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र विकसित करना जरूरी है, जैसे आग लगने पर फायर ब्रिगेड पहुंचती है, वैसे ही विरासत के लिए 'कल्चरल फर्स्ट एड' की जरूरत होती है। इसमें विशेषज्ञों की ऐसी टीमें शामिल होनी चाहिए, जो संकट के पहले 48 घंटों में कीमती पुरावशेषों को सुरक्षित स्थान पर ले जा सकें या उन्हें प्रोटेक्ट कर सकें। आपदा के समय जिस तरह इंसानी जान बचाने के लिए 'फर्स्ट रिस्पॉन्स' टीम होती हैं, उसी तरह विरासत को बचाने के लिए भी एक त्वरित कार्य योजना और प्रशिक्षित विशेषज्ञों की जरूरत होती है।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

युद्ध क्षेत्रों में सांस्कृतिक संपत्ति की सुरक्षा के लिए 'हेग कन्वेंशन' और 'ब्लू शील्ड' जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों का सख्ती से पालन करना समय की मांग है। जब कोई समुदाय युद्ध या आपदा से उबरता है, तो अपनी परंपराओं (जैसे सामूहिक नृत्य या उत्सव) को फिर से शुरू करना उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए मरहम का काम करता है। विरासत केवल बीता हुआ कल नहीं, बल्कि भविष्य की आशा है। आपदा या युद्ध के बाद जब लोग अपनी परंपराओं और उत्सवों (लिविंग हेरिटेज) की ओर लौटते हैं, तो यह सामाजिक एकजुटता को वापस लाने में मदद करता है।

स्थानीय समुदायों की भूमिका

विरासत का असली संरक्षक वह समुदाय है, जो वहां रहता है। संघर्ष के समय स्थानीय लोगों को 'हेरिटेज वॉरियर्स' के रूप में प्रशिक्षित करना सबसे प्रभावी बचाव साबित होता है।

नीतिगत सुधार की जरूरत

सरकारों को अपनी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीतियों में 'विरासत संरक्षण' को एक अनिवार्य अध्याय के रूप में जोड़ने की आवश्यकता है। अवैध तस्करी पर लगाम लगाने की भी जरूरत है। अकसर देखा गया है कि संघर्ष और अस्थिरता के दौरान प्राचीन मूर्तियों और कलाकृतियों की चोरी और अंतरराष्ट्रीय तस्करी बढ़ जाती है। थीम का एक हिस्सा यह भी है कि आपातकालीन स्थिति में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सांस्कृतिक संपदा की निगरानी सख्त की जाए।

भविष्य की तैयारी

इस वर्ष की थीम हमें याद दिलाती है कि विरासत को बचाना केवल अतीत का सम्मान नहीं है, बल्कि अनिश्चित भविष्य के लिए अपनी जड़ों को सुरक्षित रखना है। संकट के समय विरासत बचाने के लिए भारी धन की आवश्यकता होती है। यूनेस्को और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को एक 'इमरजेंसी हेरिटेज फंड' को और मजबूत करना होगा, ताकि गरीब और विकासशील देशों की विरासत को संसाधनों के अभाव में नष्ट होने से बचाया जा सके।

नागरिक भी बनें जागरूक

विरासत की रक्षा एक सरकारी जिम्मेदारी से बढ़कर एक नागरिक कर्तव्य भी है। शिक्षा और मीडिया के माध्यम से युवाओं को यह समझाना होगा कि अगर हमारी विरासत मिट गई, तो हमारे पास आने वाली पीढ़ियों को सुनाने के लिए कोई कहानी नहीं बचेगी। लोगों को बताना होगा कि विरासत की रक्षा कोई 'सॉफ्ट टारगेट' नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक शांति का हिस्सा है। संघर्ष थमेंगे और आपदाएं बीत जाएंगी, लेकिन जो विरासत हम खो देंगे, वह कभी वापस नहीं आएगी। समय आ गया है कि हम अपनी पहचान को बचाने के लिए 'रिएक्टिव' होने के बजाय 'प्रोएक्टिव' बनें। *

नवगीत
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

प्रथम गीत लिखने वाले ने

प्रथम गीत लिखने वाले ने,
कितना दर्द सहा होगा।
आंखों से उसका हर सपना,
अनगिन बार बहा होगा।
अपने आतुर अरमानों को
ढांढ़स देकर फुसलाकर
रेतीले महलों के जैसे
सागर तट तक ले जाकर
जितनी बार बनाया होगा,
उतनी बार ढहा होगा।
राग से विमुखता होने पर,
मन होता है वैरागी
सिंचित हुए बिना मधुरस के
कौन हुआ है अनुरागी
कानों में चुपके से कोई
कुछ न कुछ तो कहा होगा।
जब विश्वास टूटता है तो
दिल से आह निकलती है
बागी होकर स्वयं लेखनी
अपनी राह बदलती है
दुख देने वाला मानस में,
कोई नाम रहा होगा।

व्यंग्य / भूपेंद्र भारतीय

विचारक बनने की हवा

भिया का मन मंच की ओर जाने के लिए तड़फड़ाने लगा। शब्द विचार बनने को बेताब होने लगे, भिया का विचारक व्यक्तित्व अवतरण लेने लगा। दुनिया को एक और विचारक मिलने वाला है।

भिया इन दिनों विचारक बनने की यात्रा में हैं। चुनाव दूर है तो यही कर लिया जाए। ऐसा भिया के मन में विचार उमड़ा। विचार क्या, यह भिया के लिए क्रांतिकारी कदम जैसा है। अब तक माला, माइक, मंच व फोटो की ही हवा चल रही थी, लेकिन विचारों की हवा का अभाव था! भिया को फिर विचार आया कि इन सभी के साथ मुझे एक बड़ा विचारक भी होना चाहिए। जनता बात-बात में माइक पकड़ा देती है। ऐसे में बिना विचार के विचारक कैसे बन सकते हैं? मंच का संचालन करने वाला तो दो शब्द कहने को ही कहता है लेकिन वे दो शब्द मंच से जनता तक पहुंचाने में बड़ी मशक्कत करनी होती है। कभी-कभी तो विचारों के आभाव में एक शब्द भी नहीं निकलता। सिर्फ हवा ही माइक से निकलती है। इन सभी बातों को ध्यान में रखकर भिया आजकल विचारक बनने के लिए लंबी-लंबी चिंतन बैठकें कर रहे हैं। कई-कई कप चाय सुड़कते हुए, सिगरेट का धुआं उड़ाते हुए कागज-कलम के साथ विचारक बनने की प्रैक्टिस करने लगे हैं।

मगर विचारक बनने की इस बेचैनी में एक तरफ विचार है कि आ नहीं रहे हैं और कार्यकर्ता भिया के लिए नए-नए मंच तैयार कर रहे हैं। भिया के विचारक बनने की हवा चलाने के लिए क्षेत्र में पहले से धंसी पड़ी कुछ संस्थाओं को पुनर्जीवित किया गया और कुछ नई संस्थाओं का निर्माण किया गया। कार्यकर्ता जी-जान से भिया के विचारक बनने की हवा बनाने लगे और इधर अभी भिया पक्के विचारक बने ही नहीं और कार्यकर्ताओं ने 'भ्रष्टाचार हटाओ अभियान' कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भिया का नाम लिखा दिया। भिया चिंतित हैं कि अब इस विषय पर मैं क्या बोलूं? यह विषय तो मेरी विपरीत धारा का है। अब तक तो भ्रष्टाचार के मामलों में हम घिरते ही आए हैं और अब इस पर विचार कैसे रखूं? इस विचित्र मामले में कैसे हवा बनाऊं? यह कैसे संभव होगा। बस, फिर क्या था! भिया को भी विपरीत परिस्थिति ने ही मार्ग दिखाया। जैसे बड़े नेता विपरीत परिस्थितियों में ही अपनी छवि को और अच्छे से चमका लेते हैं। भिया ने भी झट से अवसर को लपक लिया।

ऐसी विपरीत परिस्थिति में नए-नए विचार आने लगे, उन्हें लगने लगा। विचारक बनने की हवा शुरू हो गई है। भिया अपने विषय की भूमिका बनाने लगे। भ्रष्टाचार हटाओ अभियान सिर्फ नारा नहीं, हमारे क्षेत्र व जनता के लिए एक क्रांति लाने वाला है। ऐसे अजीबो-गरीब विचार भिया के मन में गुड़गुड़ाने लगे। भिया का मन मंच की ओर जाने के लिए तड़फड़ाने लगा। शब्द विचार बनने को बेताब होने लगे, भिया का विचारक व्यक्तित्व अवतरण लेने लगा। दुनिया को एक और विचारक मिलने वाला है। यह विचारों की क्रांति है। इससे पहले भिया चुनावों में बड़ी-बड़ी हवा बना चुके थे। विकास की हवा चलाने में भिया से बड़ा नेता आज तक उनके क्षेत्र में कोई दूसरा आया ही नहीं। शिक्षा विभाग से लेकर राजस्व विभाग तक ऐसा कोई मलाईदार विभाग भिया की टीम से छूटा नहीं, जिसमें भिया ने चुनाव जीतने के छः माह बाद ही अपनी हवा नहीं चलाई हो। लिफाफे की हवा, फिक्स रेट की हवा, ट्रांसफर की हवा, खदान लेने की हवा, ठेका देने की हवा, सरकारी नौकरी देने की हवा जैसी सैकड़ों हवाएं हैं, जो क्षेत्र में निरंतर पांच साल चलती रहीं। भिया की जीत से छः माह के बाद ही अधिकांश विभाग उनकी हवा से महकने लगे।

ऐसे ही विचार भिया के मन में क्रांति की हवा बनाने लगे। भिया को विचारक बनने की हवा धीरे-धीरे आने लगी। इस हवा को और बड़ा करने में कार्यकर्ता सोशल मीडिया का सहारा लेने लगे। जेन-जी को इस हवा से जोड़ने की कोशिश की जाने लगी।

धीरे-धीरे विचारक बनने की हवा सभी ओर फैलने लगी। सुबह जैसे ही भिया घर से क्षेत्र के लिए निकलते उनकी लग्जरी कार में लगे हूटर से उनके विचारक होने की हवा चलने लगती। फेसबुक पर जनता के नाम संदेश देने में बड़े विचारक होने की हवा का हल्ला रहता।

इधर धीरे-धीरे ऑनलाइन मीटिंग में भी भिया विचारक सिद्ध होने लगे। अपने दल में उनकी हवा बढ़ने लगी। वे एक बुद्धिजीवी की श्रेणी में आ गए। विचारक बनने की हवा ने बड़ा काम कर दिया। भिया विचारक की हवा से राजनीति में लंबा उड़ने की सोचने लगे। अपने दल की ओर से प्रवक्ता बनकर राष्ट्रीय मीडिया में बैठकर राष्ट्रीय स्तर पर हवा चलने के सपने आने लगे। भिया के चेले-चपाटे उनके लिए नए-नए मंचों का निर्माण करने लगे। विचारक बनने की हवा क्षेत्र में तीव्र गति से चलने लगी। पुराने विचारक और बुद्धिजीवी चिंतित होने लगे। भिया की विचारक बनने वाली हवा में पूरा क्षेत्र विकास की ओर अग्रसर होने लगा। *

लघुकथा / सुनील कुमार महला

कर्तव्यबोध

विशाखा एक शहर में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहती थी। कॉलोनी के बीचों-बीच एक सुंदर सार्वजनिक पार्क था। चारों ओर हरे-भरे पेड़-पौधे, रंग-बिरंगे फूल, बच्चों के झूले और फिसलन-पट्टी उसे जीवंत बनाते थे। सुबह-शाम कॉलोनी के बच्चे, बुजुर्ग और परिवार के लोग वहां टहलने, बैठकर बातें करने और समय बिताने आया करते थे। गर्मियों के दिन शुरू हुए तो किसी संवेदनशील व्यक्ति ने पक्षियों के लिए पेड़ों पर सात-आठ परिंडे (मिट्टी के बर्तन) टांग दिए। पार्क के एक कोने में दाना चुगने का स्थान भी बना था, जहां तोते, कबूतर, कौवे, गौरैया और मैना आदि पक्षी आकर दाना चुगते थे। जब भीषण गर्मी पड़ने लगी तो कुछ ही दिनों में उन परिंडों का पानी सूख गया। लोग रोज पार्क में आते, घूमते, बातें करते, बच्चे खेलते, लेकिन किसी की नजर उन सूखे परिंडों पर नहीं ठहरती। विशाखा की नजर भी कई बार उन पर पड़ती, लेकिन फिर भी उसने इस ओर ध्यान देने की जरूरत नहीं समझी। मन में बस यही विचार आता-यह काम मेरा अकेले का नहीं है, कॉलोनी में और भी तो लोग हैं। एक दिन उसका बेटा अमन पार्क में खेलते-खेलते उन परिंडों के पास पहुंच गया। उसने देखा कि वे पूरी तरह सूखे पड़े हैं। घर आकर उसने अपनी मां से कहा, 'मम्मा, पार्क में पक्षियों के परिंडों में कई दिनों से पानी नहीं है।' विशाखा ने सहज भाव से उत्तर दिया, 'कॉलोनी में इतने लोग हैं, क्या सिर्फ हमारी ही जिम्मेदारी है इन्हें भरने की?' अमन ने शांत स्वर में कहा, 'मम्मा, जिम्मेदारी सबकी होती है, लेकिन सब कुछ जानते हुए भी उसे निभाने से बचना सबसे बड़ी गलती है।' बेटे की बात सुनकर विशाखा कुछ पल के लिए मौन रह गई। उसे आभास हुआ, कभी-कभी छोटे बच्चे भी हमें बड़ा सच सिखा देते हैं। विशाखा को अपने कर्तव्यबोध का अहसास हो चुका था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

जब आदिवासी गाता है

पुस्तकः जब आदिवासी गाता है (कविता संग्रह), **रचनाकारः** जमुना बीनी, **मूल्यः** 250 रुपए, **प्रकाशकः** राधाकृष्ण पेपरबैक्स, दिल्ली

भारत के पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश से आने वालीं लेखिका जमुना बीनी का कविता संग्रह 'जब आदिवासी गाता है' कुछ समय पूर्व छपकर आया है। यहां, कहीं आदिवासी जीवन की त्रासदी का स्वर सुनाई पड़ता है, *'जिनको उखड़ना/ पड़ता है/ बार-बार/ अपनी जड़ों से/ उनके लिए/ वाकई/ भविष्य शब्द के/ क्या मायने हैं?'* (भविष्य)। तो कहीं प्रकृति से दूर किए जाने का दर्द भी छलकता है, *'पहाड़-पृथ्वी के प्राचीन वासी/ हमारे पुरातन संगी/ अलग नहीं कर सकते हम/ उनसे खुद को।'*(पहाड़ और आदिम निवासी)। कुछ कविताओं में आधुनिक जीवन में डिजिटल संक्रमण से पसरती संवेदनशून्यता को भी कवयित्री ने कटघरे में खड़ा किया है। इसकी बानगी इन पंक्तियों में देखी जा सकती है। *'निश्चय ही/ हमारी संवेदनाएं/ जंग खाती जा रही हैं/ वीभत्स में/ लोग अब/ लेने लगते हैं स्वाद'*(डर)। और *'जितना ज्यादा चॉइस/ उतनी अधिक कशमकश/ चॉइस की भरमार/ इनसान को/ उलझाते/ और/ भरमाते ज्यादा/ सुलझाते कम।'* (टेलिविजन चैनल)। *

{ पर्यटन स्थल / समीर चौधरी }

वैसे तो समुद्र तट का नैसर्गिक नजारा हर नेचर लवर को आकर्षक लगता ही है। लेकिन दुनिया के कुछ समुद्र तट इतने विशाल-लाजवाब हैं कि दूर-दूर से पर्यटक इन्हें निहारने आते हैं। शांत, खुले तट से लेकर स्थानीय जीवन से भरे हुए ये समुद्र तटीय क्षेत्र प्रकृति को अपने सबसे प्रभावी रूप में पेश करते हैं। ऐसे ही कुछ खूबसूरत और विशाल सी बीचेज के बारे में आप भी जानिए।

लाजवाब-खूबसूरत नजारा पेश करते
दुनिया के ये समुद्र तट

नाइंटी माइल बीच ऑस्ट्रेलिया

नाइंटी माइल बीच ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया में स्थित है, जो 151 किमी. में फैला हुआ है और व्यस्त शहरी जीवन के विपरीत सुकून और शांति भरे लम्हों का यादगार अनुभव प्रदान करता है। इसका तट ऐसा प्रतीत होता है, जैसे कभी खत्म ही न होगा। तट के बीच-बीच में रेत के टीले, छोटी झीलें और संरक्षित वाटर रिजर्व आपको देखने को मिल जाएंगे। तट का पानी एकदम स्वच्छ है, जिससे तैराकों और मछुआरों के लिए यह पसंदीदा स्थल बन जाता है। हालांकि इसका नाम नाइंटी माइल है लेकिन इसके विपरीत यह 90 मील से अधिक लंबा है। इसके शांतिपूर्ण एकांत में गजब का आकर्षण है। *

प्राया डो कैस्सिनो ब्राजील

दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील के दक्षिणी तट पर प्राया डो कैस्सिनो, दुनिया का सबसे लंबा समुद्र तट है, जो लगभग 254 किमी. तक फैला हुआ है। इसकी प्रभावी लंबाई रिओ ग्रांडे बंदरगाह से शुरू होकर उरुग्वे की सीमा तक जाती है। यह क्षेत्र अपने दूर तक फैले रेत, समुद्र के किनारे जीवंत शहरों और अकसर समुद्र के किनारे धूप सेंकते सी लायंस की मौजूदगी के लिए विख्यात है। यह सी बीच, स्थानीय लोगों की पसंदीदा जगह है, जहां लोग लांग ड्राइव, तटीय फिशिंग और ठंडी हवा में वॉक करना खूब पसंद करते हैं। *

पद्रे सी आईलैंड बीच अमेरिका

संयुक्त राष्ट्र अमेरिका में टेक्सास के तट पर पद्रे द्वीप है, जोकि संसार का सबसे लंबा बैरियर द्वीप है। यह वन्यजीवों का अभयारण्य है, जिसमें दुर्लभ सी टर्टल और समुद्री पक्षियों की सैकड़ों प्रजातियां पाई जाती हैं। पद्रे आइलैंड नेशनल सी-शोर लगभग 112 किमी. लंबा है। इस बीच को नम हवा भरे वातावरण और वन्यजीवों के कारण विशेष रूप से पसंद किया जाता है। पर्यटक अकसर यहां कैंपिंग करने, पक्षियों को देखने और खाड़ी के किनारे वाक के लिए आते हैं। *

कॉक्स बाजार सी बीच बांग्लादेश

बांग्लादेश में स्थित कॉक्स बाजार बीच पर अकसर इस बात का जश्न मनाया जाता है कि यह संसार के सबसे लंबे प्राकृतिक समुद्र तटों में से एक है। बंगाल की खाड़ी में इस तट की लंबाई 120 किमी. है। इसके तट पर अनोखी चट्टानें, मुलायम रेत और जीवंत स्थानीय संस्कृति के दर्शन होते हैं, जो फिशिंग और पर्यटन के लिए फेमस हैं। जब दूर इसके क्षितिज में सूरज पानी में डूबता दिखता है, तो पूरा बीच दिल को अनोखा सुकून देने वाले रंगों से चमक उठता है। *

नाइंटी माइल बीच न्यूजीलैंड

ऑस्ट्रेलिया की तरह न्यूजीलैंड के एक समुद्र तट का नाम भी नाइंटी माइल बीच है, लेकिन इसकी लंबाई 88 किमी. है, जो इसके नाम से दो किलोमीटर कम है। अपनी अनोखी सुंदरता से यह पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। ऐसे प्रमाण मिलते हैं कि अतीत में इसे हॉर्स राइडिंग के लिए इस्तेमाल किया जाता था। अब इसे एडवेंचर एक्टिविटीज के लिए यूज किया जाता है। यहां मौजूद सरफिंग स्पेस और रेत के ऊंचे-ऊंचे टीले इसे बहुत आकर्षक बना देते हैं। *

बैंकूवर द्वीप लांग बीच कनाडा

कनाडा के बैंकूवर द्वीप के पश्चिमी तट पर लांग बीच स्थित है। यह सिर्फ 16 किमी. लंबा है, जिससे यह काफी छोटा सी बीच माना जाता है, लेकिन इसके बावजूद यह उत्तरी अमेरिका महाद्वीप के सबसे सुंदर सी बीच में शामिल है। इसके दूर तक फैले समतल रेतीले समुद्र तट सभी को आकर्षित करते हैं। यह बीच कनाडा के संरक्षित राष्ट्रीय पार्क का हिस्सा है। यह बीच कोहरे भरी सागर तटीय सुबह और सरफिंग के लिए विख्यात है। *

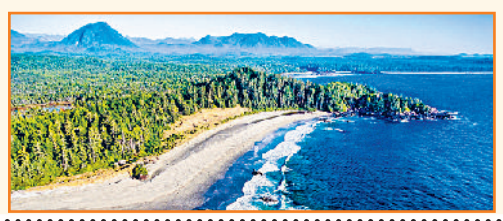

अपनाएं ये गोल्डेन रूल्स संवारें अपना सुनहरा भविष्य

सुनहरे भविष्य के लिए उचित दिशा में सही सही रणनीति के साथ मेहनत करना तो जरूरी है ही। साथ ही अगर कुछ गोल्डेन रूल्स को फॉलो किया जाए तो सफलता पाने की राह आसान हो जाएगी। ऐसी ही कुछ छोटी बातें आप भी अपने जीवन में अपना सकते हैं।

{ सेल्फ इंप्रूवमेंट / अंजू जैन }

कई बार कड़ी मेहनत के बावजूद हमें वे परिणाम नहीं मिल पाते, जो हम चाहते हैं। विश्व प्रसिद्ध विचारकों के अनुभव बताते हैं कि सफलता का असली राज हमारी सोच, कर्मठता और भावनाओं में छिपा होता है। हम अपने भाग्य के स्वयं विधाता हैं। यदि हम अपनी आंतरिक भावनाओं को सुधार लें, तो बाहरी परिस्थितियां अपने आप बदलने लगती हैं।

पहचानें अपनी भावनाएं: हमारी भावनाएं और वाइब्रेशंस हमारे जीवन के अनुभवों को निर्धारित करती हैं। हम जो महसूस करते हैं, वही हम अपनी ओर आकर्षित करते हैं। अगर हम सकारात्मक भावनाओं (जैसे खुशी, प्रेम, उत्साह) पर ध्यान केंद्रित करें, तो हम अपने जीवन में सकारात्मक परिणाम ला सकते हैं। इसके विपरीत, नकारात्मक भावनाएं (जैसे डर, गुस्सा, निराशा) नकारात्मक अनुभवों को आकर्षित करती हैं।

जब तक हम अपने लक्ष्य के प्रति उत्साहित महसूस नहीं करेंगे, तब तक वह हकीकत नहीं बनेगा। बेस्ट सेलर पुस्तक 'एक्सक्यूज मी, योर लाइफ इज वेटिंग' की लेखिका लिन ग्रैबहॉर्न कहती हैं, 'ब्रह्मांड में हर चीज एक ऊर्जा या फ्रीक्वेंसी पर काम करती है। यदि आप लगातार डर, चिंता या कमी के बारे में महसूस करते हैं, तो आप अनजाने में वैसी ही स्थितियों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे होते हैं। अपनी फ्रीक्वेंसी बदलने का मतलब है, अपनी आंतरिक स्थिति को बदलना।'

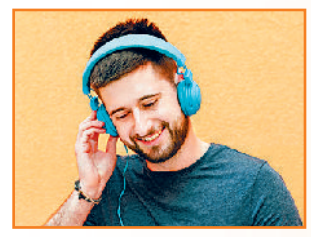

कमी के बजाय संभावनाओं पर ध्यान दें: ज्यादातर लोग इस बात पर ध्यान केंद्रित करते हैं कि उनके पास क्या 'नहीं' है। अनुभवी और सफल लोगों का कहना है कि आप जिस चीज पर अपना ध्यान केंद्रित करेंगे, वह बढ़ती जाएगी। यदि आप अपनी समस्याओं के बजाय समाधान और संभावनाओं पर ध्यान देंगे, तो आपके जीवन में खुशहाली के द्वार खुलेंगे। इसलिए सकारात्मक भावनाओं को महसूस करें। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की भावना को अभी से महसूस करें। उदाहरण के लिए, अगर आप धन चाहते हैं, तो धनी होने की खुशी और आत्मविश्वास को महसूस करें। विश्वास रखें कि ब्रह्मांड आपके इरादों को साकार करने में मदद करेगा।

दबाव में न आएं: जब हम किसी चीज के लिए बहुत ज्यादा कोशिश करते हैं, तो हम अकसर दबाव महसूस करते हैं। यह दबाव नकारात्मक ऊर्जा पैदा करता है। इसके बजाय, ऐसा महसूस करें जैसे वह लक्ष्य पूरा होने ही वाला है बस, जरा-सी कोशिश और करनी है। यह सहजता ही आपकी सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। नेपोलियन हिल कहते हैं, 'इंसान का दिमाग जो सोच सकता है और जिसमें विश्वास कर सकता है, उसे वह हासिल भी कर सकता है।'

आभार का जादू इस्तेमाल करें: आभार का जादू केवल एक भावना नहीं, बल्कि एक शक्तिशाली 'कॉस्मिक टूल' है। जो आपके पास है, उसके लिए आभारी होना आपकी वाइब्रेशन को तुरंत 'उच्च स्तर' पर ले जाता है। प्रसिद्ध दार्शनिक और लेखक मैस्टर एकहार्ट के अनुसार, 'यदि आप अपने पूरे जीवन में केवल एक ही प्रार्थना करते हैं, 'धन्यवाद' तो यही काफी है।' यह साधारण सा शब्द आपके जीवन में अधिक आशाओं और अच्छी चीजों को आमंत्रित करता है।

'एक्सक्यूज मी' कहना सीखें: अकसर हम दूसरों को खुश करने के चक्कर में अपनी मानसिक शांति दांव पर लगा देते हैं। लेकिन उन चीजों या लोगों को 'एक्सक्यूज मी' कह कर आगे बढ़ जाना जरूरी है, जो आपकी ऊर्जा को सोख लेते हैं। ऐसे लोगों को ज्यादा तवज्जो न दें। स्वयं को प्राथमिकता देना स्वार्थ नहीं, बल्कि आपकी वेल बीइंग के लिए जरूरी है।

पहचानें आप क्या चाहते हैं: अपने जीवन में उन चीजों को पहचानें जो आपको पसंद नहीं हैं या जो आपको परेशान करती हैं। इससे आपको स्पष्टता मिलती है कि आप वास्तव में क्या चाहते हैं। साथ ही यह भी तय करें कि आप क्या नहीं चाहते हैं। स्पष्ट रूप से यह निर्धारित करें कि आप अपने जीवन में क्या हासिल करना चाहते हैं, जैसे खुशी, सफलताएं या बेहतर रिश्ते। जिन चीजों से परेशानी होती है और ऊर्जा नष्ट होती है, उनसे दूर रहना सीख लीजिए।

छोटी-छोटी खुशियों का महत्व समझें: बड़ा बदलाव लाने के लिए हमेशा बड़े कदम उठाना जरूरी नहीं है। कभी-कभी एक अच्छा संगीत सुनना, प्रकृति में टहलना या किसी पुराने मित्र से बात करना भी आपकी मानसिक ऊर्जा को बदल सकता है। यही छोटे चुनाव बड़े परिणामों की आधारशिला रखते हैं। हर छोटी से छोटी उपलब्धि को सेलिब्रेट करें, उत्साहित हों। *

{ नदीगाथा / वीना गौतम }

थार मरुस्थल की जीवनरेखा लूनी नदी

अरावली पर्वतमाला में अजमेर के पास स्थित नाग पर्वत से निकलने वाली लूनी नदी, एकमात्र ऐसी नदी है, जो थार के मरुस्थल से होकर बहती है। यह भारत की सबसे बड़ी और अकेली अंतःस्थलीय (इनलैंड) नदी है यानी यह नदी समुद्र तक नहीं पहुंचती बल्कि कच्छ के रण में ही विलीन हो जाती है। इसे थार के मरुस्थल की जीवनरेखा कहते हैं, जो भले सीमित जल संसाधन की मालिक हो, लेकिन इसी की बदौलत थार मरुस्थल में जैव विविधता मौजूद है यानी लूनी नदी रेगिस्तान में बहने वाली ऐसी नदी है, जिसके आस-पास का पारिस्थितिकी तंत्र बेहद संवेदनशील और अनूठा है।

नदी की विशिष्टताएं: लूनी इस नदी की लंबाई कुल 495 किलोमीटर है और अपनी प्रकृति के हिसाब से ये मौसमी नदी है, जो अरावली पर्वतमाला से निकलकर गुजरात में कच्छ के रण में विलीन हो जाती है। लूनी नदी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इस नदी का शुरुआती सिरा मीठे पानी का और अंतिम सिरा खारे पानी का है। इस मामले में शायद यह दुनिया की ऐसी खास नदी है, जो एक साथ मीठी और खारी दोनों है। अंतःस्थलीय लूनी नदी को अजमेर के पास सागरमती कहा जाता है। करीब 150 किलोमीटर बहने के बाद इसे लवणी या लूणी कहा जाने लगता है। यह पूरी तरह से वर्षा आधारित यानी (रेन फेड) नदी है। इसके बहाव का मुख्य भाग राजस्थान में है और अंतिम भाग गुजरात में है।

मानसून आधारित नदी: मौसमी नदी लूनी, दक्षिण-पश्चिम मानसून पर आधारित है। इसका प्रवाह जुलाई से सितंबर के बीच रहता है, जिसमें शुरू में तेज बहाव होता है, यहां तक कि कई जगहों में यह बाढ़ का कारण भी बनती है। लूनी नदी की खासियतों में एक यह भी है कि यह नदी पूरी तरह से वर्षा से प्रभावित नदी है। अगर जरा भी बारिश अनियमित होती है, तो यह भी अनियमित हो जाती है।

कुछ हिस्सा है खारा: निचले छोर यानी जालोर से कच्छ के बीच इस नदी का पानी खारा हो जाता है। क्योंकि यहां यह रेतीले मैदानों और दलदली क्षेत्र में होकर गुजरती है। भले यह गंगा और यमुना जैसी सांस्कृतिक और सभ्यतामूलक नदी धारा के रूप में न पहचानी जाती हो, लेकिन इसके किनारे भी सभ्यता के कुछ विशेष रूप जन्मे हैं और कुछ राजस्थानी शहर भी इसके किनारे स्थित हैं- जैसे अजमेर, पाली, जोधपुर। *

{ बड़ा पर्दा / मनोज प्रकाश }

बॉलीवुड फिल्मों में नेगेटिव रोल निभाने वाले एक्टर्स यानी खलनायकों को भले ही हीरो जैसा स्टारडम नहीं मिलता लेकिन उनकी पॉपुलैरिटी किसी भी मायने में नायकों से कम नहीं होती है। कुछ एक्टर्स तो आज भी याद किए जाते हैं। ऐसे ही कुछ बेहतरीन खलनायकों पर एक नजर।

नायकों से कम पॉपुलर नहीं बॉलीवुड के ये खलनायक

प्राण | अमरीश पुरी | अमजद खान | प्रेम चोपड़ा

अपने शुरुआती दौर से ही बॉलीवुड फिल्मों में कई ऐसे खलनायक यानी विलेन हुए हैं, जिन्होंने बड़े पर्दे पर अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई। दर्शकों को सांस रोककर 'अगले पल क्या होगा?' सोचने को मजबूर कर दिया, इन्हें खौफ का पर्याय माना जाने लगा। 'प्रेम नाम है मेरा-प्रेम चोपड़ा।', 'अरे ओ सांभा, कितने आदमी थे?', 'सारा शहर मुझे लॉयन के नाम से जानता है।', 'मोगैंबो खुश हुआ!' हिंदी फिल्मों के खलनायकों द्वारा बोले गए ऐसे कई संवाद आज भी जीवंत बने हुए हैं।

ये एक्टर हुए सर्वाधिक चर्चित: बात जब हिंदी फिल्मों के खलनायकों की होती है तो सबसे पहले जो नाम जेहन में उभरते हैं, उनमें शामिल हैं-के.एन. सिंह, कन्हैया लाल, प्राण, अजीत, प्रेमनाथ, मदन पुरी, अमजद खान, जीवन, डैनी डेंजोंगपा, कुलभूषण खरबंदा, अमरीश पुरी, मुकेश तिवारी, कृष्ण धवन, प्रेम चोपड़ा, गुलशन ग्रोवर, रंजीत, शक्ति कपूर, कादर खान, रजा मुराद, परेश रावल, सदाशिव अमरापुरकर, किरण कुमार। एक बात यह भी है कि संजीव कुमार से लेकर कबीर बेदी तक और शाहरुख खान, ओम पुरी, मोहनीश बहल, अक्षय कुमार, आमिर खान, सैफ अली खान, संजय दत्त, विवेक ओबेरॉय, रितेश देशमुख, रणवीर सिंह, अनुपम खेर जैसे अभिनेताओं ने भी कम लेकिन विलेन के शानदार रोल निभाए हैं।

यादगार खलनायकों में शामिल गब्बर सिंह: बॉलीवुड में अब तक निभाए गए खलनायक के सबसे प्रभावशाली और यादगार किरदारों में 1975 में आई फिल्म 'शोले' का गब्बर सिंह शामिल है। जिसे पर्दे पर जीवंत किया था अभिनेता अमजद खान ने। पूरे फिल्म सिनेरियो पर नजर दौड़ाएं तो अमजद खान, सिर्फ गब्बर के रोल के कारण अपने पूर्व, समकालीन और बाद के फिल्मी खलनायकों से काफी ऊपर हैं। 'जो डर गया समझो मर गया', 'कितने आदमी थे', 'ये हाथ हमको दे दे ठाकुर', 'तेरा क्या होगा कालिया', फिल्म 'शोले' में गब्बर सिंह का एक-एक संवाद खूब पॉपुलर हुआ और आज भी लोगों की जुबान पर है।

अनुपम खेर

कुलभूषण खरबंदा

'शान' का क्रूर विलेन शाकाल: 'शोले' के बाद की कई फिल्मों में गब्बर सिंह की तरह ही फिल्म के विलेन को खतरनाक और प्रभावशाली ढंग से दिखाने का प्रयास किया गया। 1980 में आई 'शान' में शाकाल का रोल प्ले किया था कुलभूषण खरबंदा ने। 'शाकाल के हाथ में जितने पत्ते होते हैं, उतने ही पत्ते उसकी आस्तीन में होते हैं', 'आदमी दुनिया में हर काम कभी न कभी पहली बार करता ही है', जैसे डायलॉग्स उन दिनों खूब लोकप्रिय हुए थे।

प्रेम चोपड़ा का अलग अंदाज: 'मैं वो बला हूं जो शीशे से पत्थर तोड़ता हूं।' प्रेम चोपड़ा का वह संवाद, जिसे उन्होंने 1983 में 'सौतन' फिल्म में बोला था, उनकी पहचान बन गया। प्रेम चोपड़ा तो अपने रियल नाम से भी फिल्मों में फेमस हुए। 1973 की 'बॉबी' में जब वह कहते हैं, 'प्रेम नाम है मेरा', तो सिनेमा हाल में बैठे हुए दर्शक समझ जाते कि अब नायक-नायिका के साथ कुछ गड़बड़ होने वाली है।

'कर्मा' का इंटेंस विलेन डॉक्टर डैंग: 1986 की फिल्म 'कर्मा' में अनुपम खेर ने डॉक्टर डैंग की यादगार नकारात्मक भूमिका निभाई थी। फिल्म के एक दृश्य में दिलीप कुमार से थप्पड़ खाने के बाद डॉक्टर डैंग का यह डायलॉग, 'इस थप्पड़ की गूंज तुम्हें मरते दम तक सुनाई देगी जेलर।' आज भी दर्शक नहीं भूले हैं। इसके बाद उन्होंने जिस तरह से प्रतिक्रिया व्यक्त की वह डॉक्टर डैंग को दर्शकों के बीच चर्चित कर गया। फिल्म में अनुपम खेर के किरदार और उनके अभिनय को खूब पसंद किया गया।

शक्ति कपूर

रंजीत

कोई नहीं अमरीश पुरी जैसा: हिंदी फिल्मों में कई खलनायक ऐसे हुए हैं, जो पर्दे पर जब तेवर दिखाते हैं तो सामने वाले हीरो पर पूरी तरह हावी हो जाते हैं। ऐसे ही विलेन में अमरीश पुरी भी शामिल हैं। अमरीश पुरी ने 'मिस्टर इंडिया' और 'लोहा' में ऐसे अपना रोल निभाया कि पर्दे पर उनके आते ही दर्शक सीट से उठते ही नहीं थे। दोनों फिल्मों में एक दशक का अंतर था। गब्बर के बाद अमरीश पुरी ही ऐसे खलनायक रहे हैं, जिनके संवाद बच्चों को भी याद हैं। 'मिस्टर इंडिया' में उनके बोले संवाद 'मोगैंबो खुश हुआ' को आज भी बच्चे बोलते रहते हैं।

इनकी खलनायकी ने कायम की मिसाल: प्राण ने भी अपनी खलनायिकी के अंदाज से बड़े-बड़े नायकों को पर्दे पर टक्कर दी। उनकी बेहतरीन खलनायिकी को सामने लाने वाली फिल्मों की फेहरिस्त बहुत लंबी है। प्राण की तरह ही मदनपुरी और प्रेमनाथ भी खलनायिकी करने में उस्ताद थे। प्रेमनाथ का 'पराया धन' तथा 'जॉनी मेरा नाम' में विलेन का रंग बहुत चमकदार रहा। इनके अलावा शक्ति कपूर, किरण कुमार, कादर खान, गुलशन ग्रोवर, रंजीत, परेश रावल और भी कई ऐसे फिल्मी विलेन हुए हैं, जिन्हें नायकों की तरह ही पहचाना जाता है। 'चाइना गेट' में डाकू जगीरा का रोल करने वाले मुकेश तिवारी और 'राम तेरी गंगा मैली' के माणिक लाल उर्फ कृष्ण धवन को भी दर्शक याद करते हैं। *

आज युवाओं के लिए सनग्लासेज एक ऐसी एक्सेसरीज है, जो उन्हें धूप से बचाने के साथ ही उनकी पर्सनालिटी को अपग्रेड भी करती है। यह डिजिटल-रियल दोनों दुनिया में यंगस्टर्स की पर्सनालिटी को समर स्वैग देती है।

अट्रैक्टिव सनग्लासेज बढ़ा दे यंगस्टर्स का समर स्वैग

{ सीजनल फैशन / प्रतिमा अरोड़ा }

गर्मी शुरू होते ही सिर्फ तापमान नहीं बढ़ता बल्कि युवाओं का फैशन मीटर भी हाई हो जाता है। कॉलेज कैंपस, कैफे, मॉल, ट्रैवल स्पॉट, हर जगह एक खास तरह की स्टाइल एनर्जी देखने को मिलती है। उनके इस समूचे 'समर स्वैग' को किसी एक एक्सेसरीज के जरिए व्यक्त करना हो, तो वो है-सनग्लासेज।

सनग्लासेज या धूप का चश्मा सिर्फ चिलचिलाती गर्मी से बचने भर का जरिया नहीं रह गया है बल्कि अब यह एक ऐसी पहचान बन चुका है, जो यंगस्टर्स की पर्सनालिटी को गर्मियों का खास लुक देता है।

एटीट्यूड का हिस्सा: एक समय तक सनग्लासेज को गर्मी के मौसम की एक जरूरत माना जाता था, आंखों को धूप से बचाने के लिए लेकिन अब यह एक एटीट्यूड एक्सेसरीज बन चुका है। जैसे ही कोई सनग्लास पहनता है, उसकी बॉडी लैंग्वेज बदल जाती है। थोड़ा आत्मविश्वास, थोड़ा रहस्य और थोड़ा 'मैं सबसे अलग हूं' का भाव उसकी पर्सनालिटी में आ जाता है। इंस्टाग्राम रील से लेकर कॉलेज फेस्ट तक अगर किसी एक एक्सेसरीज पर सबसे ज्यादा जोर दिखता है, तो वह है सनग्लास। यही कारण है कि सनग्लासेस को यंगस्टर्स के एटीट्यूड का सबसे खास हिस्सा माना जाता है।

सोशल मीडिया का बड़ा रोल: आज के दौर का फैशन सिर्फ सड़क या कॉलेज में दिखाने तक सीमित नहीं है बल्कि सच बात तो यह है कि वह बाकी किसी भी जगहों से ज्यादा सोशल मीडिया के लिए होता है। गर्मी के दौरान सनग्लासेज, डिजिटल फैशन का सबसे इंपॉर्टेंट पार्ट बन जाता है। चेहरे पर सनग्लास लगी सेल्फी ज्यादा शार्प होती है, इसमें आंखों का एक्सप्रेशन कंट्रोल किया जा सकता है। सनग्लास की वजह से एक कूल और कंट्रोल्ड इमेज बनती है। यही कारण है कि युवाओं के सनग्लास सिर्फ पहनने की चीज नहीं बल्कि कंटेंट क्रिएशन का टूल बन चुका है।

फैशन+परफेक्शन=परफेक्ट समर कॉम्बो: गर्मी के मौसम में जहां एक तरफ स्टाइल जरूरी है, वहीं दूसरी तरफ आसमान से बरसती आग से बचना भी जरूरी है। इसलिए सनग्लासेज इस मौसम के लिए सबसे परफेक्ट कॉम्बो एक्सेसरीज माने जाते हैं। सनग्लासेज इस बैलेंस को सचमुच परफेक्ट बनाते हैं, क्योंकि इनसे- तेज धूप से आंखों की सुरक्षा संभव होती है। पसीने और थकान में भी फ्रेश लुक बनी रहती है। ट्रैवल के दौरान आरामदायक विजन मिलता है यानी यह एक्सेसरीज सिर्फ दिखने के लिए नहीं बल्कि जीने के तरीके को भी आसानी से बदल देती है।

कई वैरायटीज में उपलब्ध: सनग्लासेस आज एक्सेसरीज में बदल चुके हैं। अब ये टिंटेड लैंस यानी ब्लू, यलो और पिंक कलर में भी उपलब्ध हैं। आज बाजार में सनग्लासेज बोल्ड और ड्रामेटिक दिखने वाले ओवरसाइज्ड फ्रेम में भी मौजूद हैं। सनग्लासेज वो एक्सेसरीज हैं, जिसे युवा सबसे ज्यादा एक्सप्लोर करते हैं, क्योंकि इनके जरिए अब हर चेहरा अपना एक अलग स्टाइल कैरी कर सकता है। *